Email : railsamacharbureau@rediffmail.com, www.railsamacharbureauald.com

रेल समाचार ब्यूरो

R.N.I.No. 51097/90 DN/XXX/20-24 Post AD No. 8

सम्पूर्ण रेल जगत का प्रथम पाक्षिक

भारतीय रेल देश की जीवन रेखा है, इसका आधुनिकीकरण हमारी प्राथमिकता है

हमें रेलवे की तस्वीर और बेहतर बनानी होगी

अपने शुभचिंतको को घर पर ही विदा करे, प्लेटफार्म पर नहीं

वर्ष-३० अंक-०८-०६ प्रयागराज रेल समाचार ब्यूरो १६ अप्रैल- १५ मई २०२२ (संयुक्तांक) पृष्ठ १२ मूल्यः१० रु.मात्र (रंगीन सहित)

रेल इंजन के निर्माण के साथ, दाहोद मेक इन इंडिया अभियान में देगा योगदान- पीएम मोदी

पत्र.सू.का/ नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दाहोद में आदिजाति महासम्मेलन में भाग लिया, जहां उन्होंने लगभग २२,००० करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। दिनांक २०.०४.२०२२ को प्रधानमंत्री ने १,४०० करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इसी कड़ी मे प्रधानमंत्री ने दाहोद स्थित उत्पादन इकाई में ९,००० एचपी विद्युत रेल इंजन के निर्माण की आधारशिला भी रखी। इस परियोजना की लागत करीब २०,००० करोड़ रुपये है। दाहोद कार्यशाला को भाप इंजनों की एक निश्चित अवधि के बाद की जाने वाली सम्पूर्ण मरम्मत के लिए १९२६ में स्थापित किया गया था, जिसका अब अवसंरचना संबंधी सुधारों के साथ विद्युत रेल इंजन निर्माण इकाई के रूप में उन्नयन किया जाएगा। यह १०,००० से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार प्रदान करेगी। उन्होंने दाहोद जिला दक्षिणी क्षेत्र में क्षेत्रीय जल आपूर्ति योजना का उद्घाटन किया, जिसे नर्मदा नदी बेसिन पर लगभग ८४० करोड़ रुपये की लागत से निर्मित किया गया है। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, दर्शना जरदोश, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल और गुजरात सरकार के कई मंत्री उपस्थित थे।

दक्षिण पश्चिम रेलवे ने 'मिशन रफ्तार' के तहत बुनियादी ढांचे का उन्नयन किया

रे.स.ब्यूरो./सुत्र. मुंबई सेंट्र स्थित पश्चिम रेलवे के जगजीवन राम अस्पताल (JRH) की चिकित्सा विशिष्टताओं के क्षेत्र में एक और उपलब्धि जुड़ गई है। जगजीवन राम अस्पताल में ऑप्थल्मोलॉजी टीम ने एक एडवांस सिवनी रहित प्रक्रिया का उपयोग करके अपना पहला कॉर्नियल ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक किया, जिसके परिणामस्वरूप ६५ वर्षीय रोगी की तेजी से विजुअल रिकवरी देखी गई। हाल ही में इस मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल को कॉर्नियल ट्रांसप्लांट प्रक्रियाओं के लिए मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम के तहत मान्यता दी गई थी। ऑप्थल्मोलॉजी टीम में केस टू केस कंसल्टेंट स्पेशलिस्ट इन कॉर्निया डॉ. रसिका ठाकुर, एसीएचडी डॉ. साहू शामिल थे ओर ओटी नर्स सुश्री फेबिन ने प्रत्यारोपण प्रक्रिया को सफल बनाने में मदद की। ६५ वर्षीय महिला मरीज की बाई आंख में पिछले १० साल से अंधापन था। जगजीवन राम अस्पताल को आई बैंक को-ऑर्डिनेशन एंड रिसर्च सेंटर, मुंबई से उच्च ऑप्टिकल गुणवत्ता वाले डोनर टिश्यू मिले। यह प्रत्यारोपण एक प्रकार के लैमेलर कॉर्नियल प्रत्यारोपण अर्थातफ डेसिमेट्स स्ट्रिपिंग एंडोथेलियल केराटोप्लास्टी के माध्यम से किया गया जो कॉर्नियल प्रत्यारोपण की अत्यधिक कुशल सिवनी रहित तकनीक है, जिसके परिणामस्वरूप रोगी की तेजी से विजुअल रिकवरी होती है। पश्चिम रेलवे के जगजीवन राम अस्पताल की समर्पित टीम ने एक बार फिर मरीजों की संपूर्ण देखभाल और चिकित्सा उपचार प्रदान करने में अपनी क्षमता साबित की है।

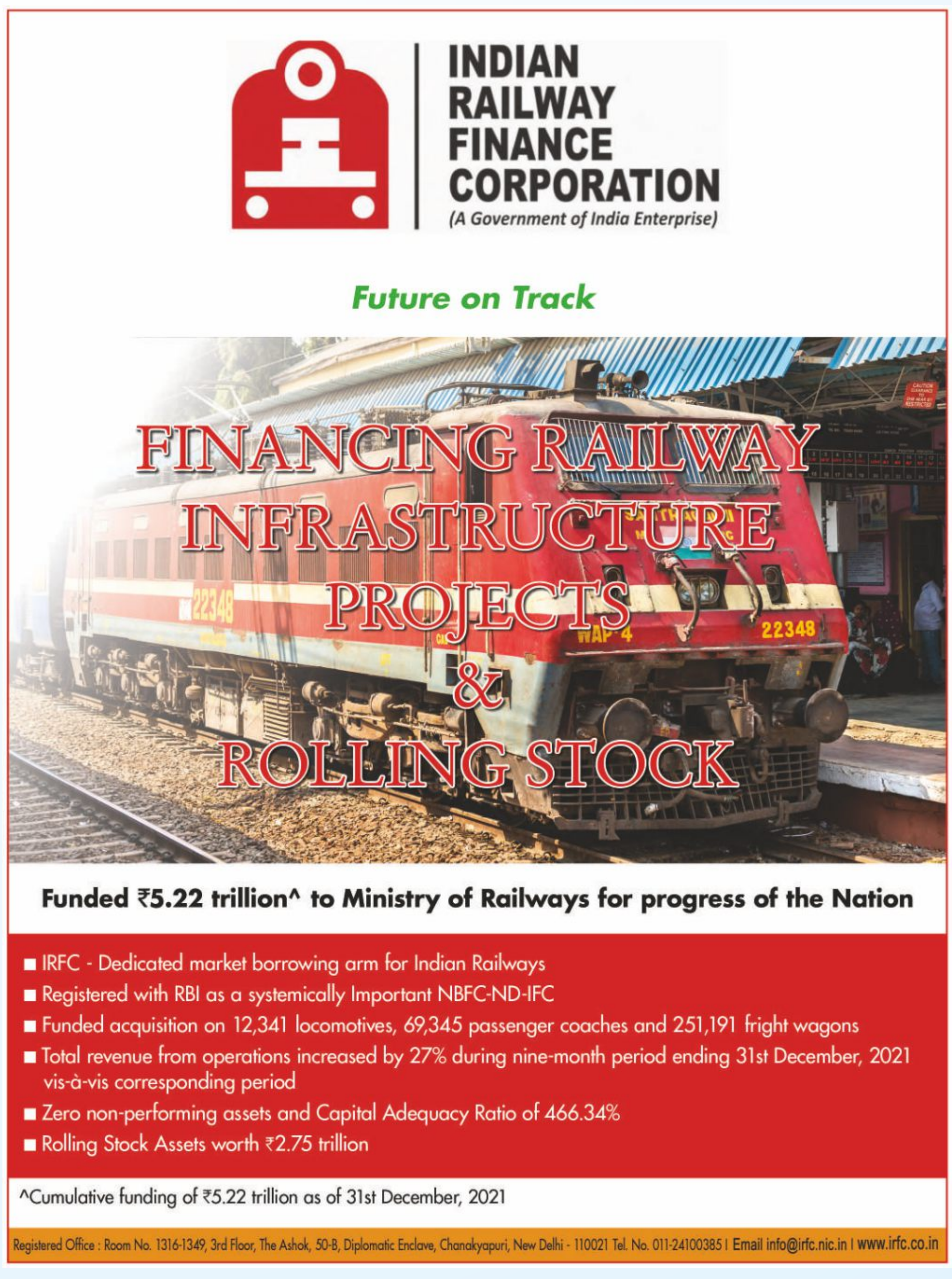

अब १२३ स्टेशनों पर टिकट बेचेंग बुकिंग एजेंट

एनएसजी-तीन, चार, पाँच व छह श्रेणी के स्टेशनों पर अनारक्षित टिक्ट बिक्री व्यवस्था में बदलाव।

रे.स.ब्यूरो./सुत्र. प्रयागराज मंडल के १२३ स्टेशनों पर अब एजेंट टिकट बेचते नजर आएंगे। रेलवे बोर्ड ने इसके लिए सर्कुलर जारी किया है। इससे यात्रियों को अनारक्षित टिकट मिलने में आसानी होगी। बोर्ड द्वारा तय किए गए नान सबअर्बन ग्रेड (एसटीबीए) द्वारा टिकट की बिक्री होगी। स्टेशन काउंटर पर ही एजेंट बैठेंगे और टिकट बेचेंगे।

रेलवे बोर्ड के सर्कुलर में कहा गया है कि एनएसजी-५ व एनएसजी-६ श्रेणी के स्टेशन पर अब टिकट बिक्री कार्य एसटीबीए के जरिए होगी। जबकि एनएसजी-३ व एनएसजी -४ श्रेणी के स्टेशन पर प्रायोगिक तौर पर इसकी शुरुआत की जाएगी। इनकी नियुक्ति आवश्यकता के आधार पर होगी। इस प्रक्रिया से स्थानीय युवकों को रोजगार मिलेगा। इस व्यवस्था के तहत अगर पहले से कोई नियुक्ति हो चुकी है तो पुनः नियुक्ति की भी व्यवस्था होगी। प्रत्येक तीन महीने पर इसकी समीक्षा होगी। जोनल रेलवे इनकी संख्या व टाइमिंग तय करेगा। एसटीबीए को उन स्टेशनों पर भी लगाया जा सकेगा जहाँ यूटीएस सह पीआरएस का प्रावधान है। हालांकि यह केवल अनारक्षित टिकट ही बेच सकेंगे। पूर्वोत्तर रेलवे के रामबाग रेलवे स्टेशन समेत प्रयागराज मंडल के १२३ स्टेशन शामिल किए गए हैं। इसमें फिरोजाबाद, शिकोहाबाद हाथरस, सिराथू, विंध्याचल, चुनार, बिंदकी, एटा आदि स्टेशनों पर सुविधा लागू होगी। पीआरओ अमित सिंह ने बताया कि बोर्ड द्वारा जारी हुए सकुर्लर पर अब आगे की प्रक्रिया सुनिश्चित की जाएगी। रेल यात्रियों को बेहतर सुविधाएं देने के क्रम में यह निर्देश आया है।

भारतीय संस्कृति के प्रतिनिधि हैं, भगवान श्रीराम : आरिफ मोहम्मद

रे.स.ब्यूरो./सुत्र. नई दिल्ली : केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने भगवान राम को भारतीय संस्कृति का प्रतिनिधि बताया गया है। कहा है कि राम के व्यक्तित्व की विषेशता यह है कि वह प्रत्येक युग के महानायक है। राम द्वारा समावेशी समाज की रचना सामाजिक समरसता और एकता का उत्कृष्ट उदाहरा है। आरिफ मोहम्मद खान रविवार को 'प्रसासी देशों में राम' विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के शुभारंभ सत्र को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। संगोष्ठी का आयोजन भारतीय जन संचार संस्थान (आइआइएमसी) के अयोध्या शोध संस्थान एवं भोजपुरी संगम के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। आरिफ मोहम्द खान ने कहा कि रामकथा की लोकप्रियता भारत में ही नहीं, बल्कि विश्वव्यापी है। पिछले ५०० वर्षो में दुनिया ने विविधता को स्वीकार करना शुरु किया है, जबकि भारत ने यह काम पांच हजार वर्श पहले कर दिया था। भारत की संस्कृति अपनी बुनियादी जड़ों से जुड़ी हुई है। भारत का पूरा दर्शन ही राम हैं। भारत की संस्कृति जाति, धर्म और भाशा के आधार पर इंसान को नहीं देखती, बल्कि मानवता के अंदर दिव्यता के आधार पर उसे स्थान देती हैं उन्होंने कहा कि पूरे विश्व के इतिहासकार मानते हैं कि दुनिया में ईरान, रोम, चीन, तुर्की और भारत की पांच सबसे पुरानी सभ्यताएं है। इनमें से सबसे अलग भारत की सभ्यता ज्ञान और प्रज्ञा के संवर्धन के लिए जानी जाती है।

हड़िया से ज्ञानपुर के बीच १२० की रफ्तार से दौड़ी ट्रेन

रे.स.ब्यूरो./सवा. बनारस-प्रयागराज दोहरीकरण परियोजना के अन्तर्गत ज्ञानपुर रोड-हंडिया या खास रेल खंड का दोहरीकरण और विद्युतीकरण कार्य पूर्ण होने पर गुरुवार को १२० किमी. रफ्तार से ट्रेन इस रूट पर दौड़ी। प्रयागराज से वाराणसी तक का सफर आसान बनाने व यात्रियों का समय बचाने के लिए इए रूट का दोहरीकरण व विद्युतीकरण किया जा रहा है। गुरुवार को रेल संरक्षा आयुक्त मो. लतीफ खान, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी राजवी कुमार, डीआरएम वाराणसी रामाश्रय पांडेय, मुख्य परियोजना प्रबंधक विकास चन्द्रा आदि स्पेशल ट्रेन से हंडिया खास स्टेशन पहुंचे। रेलवे स्टेशन पर संस्थापित नए उपकरण का निरीक्षण किया।

सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों में सीयूसेट से होंगे दाखिले

रे.स.ब्यूरो./सुत्र.नई दिल्ली : केंद्रीय विश्व विद्यालयों में पढ़ने का सपना संजोए छात्रों को नए सत्र से राहत मिलने वाली हैं एक आवेदन से ही अब सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों में दाखिला संभव होगा। शिक्षा मंत्रालय ने इस बार सभी केंद्रीय विश्व विद्यालयों में संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सीयूसेट) के जरिये दाखिले की तैयारी पूरी कर ली है।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनइपी) की सिफारिश के बाद शिक्षा मंत्रालय ने पिछले साल ही इसके अमल की पूरी तैयारी की थी। हालांकि उस समय सभी केंद्रीय विश्व विद्यालयों के तैयार न होने से इसे सिर्फ बारह केंद्रीय विश्वविद्यालयों में ही आजमाया गया था। जिसके अच्छे परिणाम भी देखने को मिले। बड़ी संख्या में छात्रों को इस व्यवस्था से पसंद के कोर्सो में दाखिले का मौका मिला। शिक्षा मंत्राल के मुताबिक इस बार सभी ४५ केंद्रीय विश्व विद्यालयों में स्नातक स्तर के दाखिले संयुक्त प्रवेश परीक्षा से ही होंगे।

विश्वविद्यालयों ने भी इसकी सहमति दे दी है। साथ ही इसे लेकर अपनी तैयारी भी पूरी कर ली है। यह परीक्षा संयुक्त पात्रता सह प्रवेश (नीट) जैसी परीक्षा की तर्ज पर ही होगी। जहां मेरिट के आधार पर ही छात्रों को दाखिला मिलेगा। इस परीक्षा को कराने का जिम्मा नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के पास रहेगा।

पाठकों से

आपको यह अंक कैसा लगा? इसमें आप और क्या परिवर्तन चाहते है। कृपया अपने सुझावों, आलोचनाओं से अवश्य ही अवगत करायें। आपके पत्रों का हमें इंतजार रहेगा।

प्रधान सम्पादक

ट्रेनों के एसी कोच में फिर से मिलेंगे कंबल व चादर

रे.स.ब्यूरो./सुत्र मुरादाबाद : दो साल बाद ट्रेनों के एसी कोच के यात्रियों को फिर से कंबल व चादर मिलना शुरू हो जायेगा। रेलवे बोर्ड ने पहले की तरह पर्दा लगाने के भी आदेश जारी कर दिए हैं।

रेल प्रशासन ने दस मार्च २०२० कोरोना का संक्रमण रोकने के लिए ट्रेनों के एसी कोच में पर्दा हटाने के साथ ही यात्रियों को कंबल, चादर, तकिया देना बंद कर दिया था। अब कोरोना संक्रमण कम हो चुका है। रेलवे ने सभी एक्सप्रेस ट्रेनों को पहले की तरह चलना शुरू कर दिया है। जोनल रेलवे ने किस तारीख से किस ट्रेन में जनरल टिकट से सफर करने की सुविधा उपलब्ध होगी। इसकी सूची भी जारी कर दी है। रेलवे बोर्ड ने गुरुवार को एसी कोच में कंबल व चादर रखने का भी आदेश जारी कर दिया है। रेलवे बोर्ड के निदेशक पैसेंजर वाणिज्य विपुल सिंघला ने १० मार्च २०२२ को सभी जोनल रेलवे के महाप्रबंधकों को पत्र भेजा है, जिसमें कहा कि कोरोना के पहले की तरह एसी कोच में पर्दा लगाने यात्रियों को कंबल, चादर, तकिया दिए जाएं, जिस जोन में कंबल चादर बचे हुए है, उसकी तत्काल धुलाई करने के बाद यात्रियों के देने की व्यवस्था करें।

पेटीएम से भुगतान कर ले पाएंगे ट्रेन के जनरल टिकट

रे.स.ब्यूरो./सुत्र मुरादाबाद : रेलवे बुकिंग काउंटर से जनरल टिकट लेने में खुले पैसे की दिक्कत जल्द ही दूर होगी। अब जनरल टिकट और प्लेटफार्म टिकट का भुगतान पेटीएम से कर सकेंगे। इसके लिए बुकिंग काउंटरों पर पेटीएम का बार कोड लगाए जाएगा। इसके बारे में रेलवे मंत्रालय ने ट्वीट कर जानकारी दी है। प्रमुख रेलवे स्टेशन पर स्वचालित टिकट मशीन लगी है, जिसके डेबिट कार्ड या रेलवे के कार्ड से भुगतान करने की सुविधा थी, वहां भी यह सुविधा मिलेगी। अगले चरण में टीटीई को पेटीएम से जुर्माना वसूलने की सुविधा मिलेगी। अभी जनरल कोच या लोकल ट्रेन में रेल सफर करने वाले यात्रियों को नकदी देकर टिकट खरीदनी पड़ती है।

रेलवे नियुक्ति परीक्षा का विवाद सुलझा, छात्रों की मांगें मंजूर

रे.स.ब्यूरो./सुत्र. नई दिल्ली : रेलवे भर्ती बोर्ड की परीक्षाओं को लेकर उत्पन्न विवाद को सुलझा लिया गया है। नाराज अभ्यर्थियों की शिकायत सुनने के बाद रेलवे की जांच समिति ने उनकी मांगों को मान लिया हैं इसके तहत नान टेक्निकल पापुलर कैटेगरी वेतनमान के हिसाब से दूसरे स्तर की कम्प्यूटर पर होने वाली परीक्षा की खातिर प्रत्येक सीट के लिए कम-से-कम २० छात्रें का चयन किया जाएगा।

जिन अभ्यर्थियों का चयन पहले हो चुका है, उन्हें यथावत चयनित माना जाएगा। हर स्तर के हिसाब से परीक्षार्थियों की अतिरिक्त सूची जारी की जाएगी। लेवल एक के लिए सिर्फ एक परीक्षा कराई जाएगी। नान टेक्निकल पापुलर कैटेगरी के अधिकतर लेवल का संशोधित परिणाम अप्रैल के पहले हफ्ते में जारी कर दिया जाएगा।

लेवल छह के दूसरे स्टेज का रिजल्ट मई २०२२ में घोशित किया जाएगा। हालांकि, लेवल एक वाले अभ्यर्थियों की परीक्षा जुलाई में ही हो सकेगी। रेलवे की भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर छात्रों के प्रदर्शनों के बाद पिछले महीने रेल मंत्रालय ने एक जांच समिति का गठन किया था।

समिति ने अभ्यर्थियों की आपत्तियों की जांच कर अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी, जिसके आधार पर यह फैसला किया गया है।

Flagged Off Sogaria New Delhi New Superfast train From Sogaria Railway Station

PIB/NDLS The first Superfast train service from the newly constructed Sogaria Railway Station to New Delhi Railway Station has been flagged off for the commuters of Kota by Speaker of Lok Sabha, Shri Om Birla on 14th February, 2022 There was a lot of joy amongst the railway passengers due to a direct new super fast train between Sogaria and New Delhi. The inaugural service of this new train was started at 04:00 p.m. on 14the February, 2022. On this occasion, MLA of Ladpura region, Smt. Kalpana Devi, Divisional Railway Manger, Kota including a large number of dignitaries were present. Addressing the programme, Shri Om Birla said that Indian Railways has an immense contribution towards happiness and prosperity of the country. The newly constructed Sogaria station is also being appreciated at the national level. In the coming days, the work of development of Kota and Dakaniya Talav station as world class station will start very soon. There is also a plan to start Vane Bharat train from Kota. Shri Birla informed that we are committed to provide nest rail services to the citizens of Kota and Bundi as wll as direct connectivity to all major cities of India. On this occasion, Senior Divisional Commerical Manager, Shri Ajay Kumar Pal informed that regular services of this train will start form 15the February, 2022 will leave New Delhi Railway Station at 7 ; 10 a. m. will reach Sorari Railway Station at 13;25 p.m. via Mathura, Bharatpur, Shrimahavirji, Gangapur City, Sawai Madhopur, Lakheri.

रेल कर्मयोगी प्रशिक्षण शुरू

प्रयागराज : मंडल सभागार में रेल कर्मियों को प्रशिक्षित करने के लिए रेल कर्मयोगी प्रशिक्षण शुरू हुआ। मंडल रेल प्रबंधक मोहित चंद्रा ने दीप प्रज्जवलित कर प्रशिक्षण शुरू कराया। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ साल में देश ओर रेल की सोच में लगातार बदलाव आ रहा है। जैसे स्वच्छता के प्रति हमारा नजरिया बदला है।

Speaker of Lok Sabha Inaugurated The Redevelopment Sogaria Railway Station

PIB/NDLS • Minister of State of Railways and Textiles, Government of Indian Smt. Darshana Jardosh had a dignified presence as the special guest.

• Speaker Lok Sabha also dedicated various passenger amenities at Kota, Bundi Dakaniya Talav and Ramganj Mandi railway sations virtually form Sogaria

• Flagged off Kota-Bina-Kota, Kota - Jhalawar City-Kota, Kota-Nagada-Kota MEMU trains.

Speaker of Lok Sabha Shri Om Birla inaugurated the Redeveloped Sogaria Railwway Station of West Central Railway on 5the January, 2022. During this programme, Minister of State for Railway and textiles, Government of India, Smt. Darshana Jardosh was the special guest, along with MP Shri Anil Firojia of Ujjain were present through virtual platform. Other dignitaries include MLA Ramganj Mandi, Shri Madan Dilawar, MLA Bundi, Shri Ashok Dogra, MLA Keshorai Patan, Smt. Chandrakanta Meghwal, MLA Kota (South), Shri Sandeep Sharma, MLA Ladpura, Smt Kalpana Devi along with Shri Sudhir Kumar Gupta, General Manager, West Central Railway and Shri Pankaj Sharma, Divisional Railway Manager were also present on the stage. First of all Shri Om Birla and other guests were welcomed in Rajasthani tradition. The inaugural tradition. The inaugural service of Kota-Bina-Kota, Kota-Nagds-Kota and Kota-Jhalawar City-Kota MEMU trains was flagged of from Sogaria Railway Station. Simultaneously, the Redeveloped Sogaria Railway Station was also inaugurated. O this occasion, various passenger facilities were also inaugurated at Kota, Bundi, Dakaniya Talav and Ramganj mandi Railway Statons by the Speaker. Addressing the programme on this occasion, Minister of State for Railways, Smt. Darshana Jardosh said that I am overwhelmed by the hospitality and welcome of the people of Rajasthan. On the occasion of "Azadi Ka Amrit Mahostav", Indian Railways is paying special attention to passenger amenities and running of new trains. It has planned to run 75 new Vande Bharat trains during this period. Mrs, Jardosh said that the sogaria staton has been developed very well, and will become the indentity of Rajasthan.

रेल राज्य मंत्री ने सूरत और वापी के बीच

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया

रे.स.ब्यूरो./सुत्र रेल राज्य मंत्री ने सी.एच. २४२ पीी४२ और पी२३ पर पाइल कैप की ढलाई सहित विभिन्न प्रकार की ढलाई के लिए नियोजित गर्डर की ढलाई के प्रारंभिक कार्यों के निरीक्षण हेतु अपने दौरे की शुरुआत ग्राम पडगह, जिला नवसारी स्थित सी.एच, २४३ के कास्टिंग यार्ड से की। उनके दौरे का अगला पड़ाव सी.एच. २३८ (ग्राम नसीलपुर, जिला नवसारी) स्थित कास्टिंग यार्ड था, जहां उन्होंने १.१०० टन क्षमता के स्ट्रैडल कैरियर और ब्रिज गैंट्री जैसे भारी उपकरणों का प्रदर्शन देखा। रेल राज्यमंत्री ने सी.एच. २३२ (ग्राम कच्छोल, जिला नवसारी) स्थित एक अन्य कास्टिगयार्ड का दौर यिका। वहां उन्होंने फुल स्पैन गर्डर की ढलाई, रेडीमेड स्टील पलंट (आएमएस) प्लांट का संचालन, स्टील की स्वचालित कटिंग ओर रिंग/ रकाब बनाने के प्लांट का प्रदर्शन देखा।

उन्होंने ग्राम पथरी जिला बलसाड स्थित सीएच. १६७ से लेकर ६५ तक मार्गसेतु के पायों का मुआयना किया। अंत में, ने दमन गंगा नदी का भी दौरा किया, जहां नदी के ऊपर पुल की नींव रखी जा रही है।

सम्पादकीय

उत्तर प्रदेश: राजनीति का नया इतिहास

उत्तर प्रदेश में भाजपा की जीत ने यह साबित कर दिया है कि यहां भाजपा के नेताओं के प्रति आभार भाव कायम था, इसलिए जनता ने सीटें भले कम कर दीं, पर फिर शासन का मौका दिया। उत्तर प्रदेश जैसे राज्य का विकास देश की चंद बहुत बड़ी चुनौतियों में शुमार है। इस आभार भाव की जरूरत बनी रहनी चाहिए। उत्तर प्रदेश ने अपनी राजनीति का नया इतिहास लिख दिया है। इतने विशाल प्रदेश में एक मुख्यमंत्री और उनकी पार्टी की सत्ता का कायम रहना अपने आप में अध्ययन और अनुकरण का विषय है। इस प्रदेश के दामन पर जातिवाद के दाग अक्सर लगते रहते हैं, कोई भी उत्तर प्रदेश की निंदा करने लगता है या नकारात्मक मिसालें देने लगता है। अतः सबके विकास पर फोकस करते हुए चलना होगा। कड़ी चुनावी टक्कर में यह एक ऐसी सरकार की बेहतरीन वापसी है, जिससे प्रदेश को बड़ी उम्मीदें हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उचित ही कहा है कि प्रदेश में वंशवाद और जातिवाद की राजनीति नहीं चलेगी। उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर रोजगार की जरूरत है, तो राज्य सरकार को ऐसे तमाम प्रबंध करने चाहिए, जिनसे प्रदेश में निवेश बढ़े। मुख्यमंत्री प्रदेश की व्यवस्था को जातिवाद से अगर थोड़ा भी निकाल सके, तो यह उनका बड़ा योगदान होगा। प्रदेश मंत्रिमंडल में अब मुख्यमंत्री सहित ५३ मंत्री व राज्यमंत्री हैं। कामकाज के अलावा राजनीतिक समीकरण देखते हुए मंत्री बनाए जाते हैं, लेकिन अब सबका एजेंडा उत्तर प्रदेश का विकास होना चाहिए। उत्तर प्रदेश ने एक सशक्त नेता चुना है, तो उसका पूरा लाभ भी प्रदेश को मिलना चाहिए। लोग यही उम्मीद करेंगे कि आगामी पांच वर्ष शांति से प्रदेश के सुखद कायाकल्प को समर्पित हो जाएं, ताकि लोग उत्तर प्रदेश की ओर ज्यादा सकारात्मक मिसालें देने लगें।

प्रयागराज मण्डल में राजभाषा हिंदी की समीक्षा बैठक का हुआ आयोजन

रे.स.ब्यूरो./संवा. प्रयागराज। मंडल रेल प्रबंधक मोहित चंद्रा की अध्यक्षता में प्रयागराज मंडल में सरकारी कामकाज मंद हो रही राजभाषा हिंदी की प्रगति की समीक्षा करने के उद्देश्य से दिनांक ३०.०३.२०२२ को मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति, प्रयागराज की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में अतुल गुप्ता, अपर मंडल रेल प्रबंधक/इन्फ्रा, अजय कुमार राय, अपर मंडल रेल प्रबंधक/परिचालन, संजय सिंह, अपर मंडल रेल प्रबंधक/सामान्य, सहित मंडल के सभी शाखाधिकारी मौजूद थे। बैठक का संचालन राजभाषा अधिकारी, शेषनाथ पुष्कर ने किया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंडल रेल प्रबंधक मोहित चंद्रा ने शाखाधिकारियों से कहा कि अपनी पसंद की पुस्तकों की सूची राजभाषा विभाग में भिजवाएं ताकि मंडल कार्यालय में स्थापित हिंदी पुस्तकालय का बेहतर सदुपयोग हो सके। बैठक की समीक्षा करते हुए जिन मदों में उन्होंने कमी देखी उसके लिए उन्होंने शाखाधिकारियों को निर्देश दिया कि उस क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करें। बैठक का संचालन करते हुए शेषनाथ पुष्कर, राजभाषा अधिकारी ने कहा कि यदि रेल अधिकारियों के तकनीकी ज्ञान और साहित्यिक ज्ञान एक साथ मिल जाए तो रेलवे का कायाकल्प हो सकता है और साहित्यिक ज्ञान में बृद्धि के लिए जरूरी है कि अधिकारी साहित्य की पुस्तकें भी पढ़ें।

माल लदान के क्षेत्र में पूर्व मध्य रेल ने हासिल किया एक नया मुकाम

हाजीपुर : माल लदान के क्षेत्र में पूर्व मध्य रेल द्वारा एक नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए वित्तीय वर्ष २०२१-२२ में ३१ मार्च, २०२२ तक कुल १६७.०२ मिलियन टन माल का लदान किया गया है। यह लदान पिछले वित्त वर्ष २०२०-२१ की तुलना में २६.८५ मिलियन टन अधिक है अर्थात् पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में १६.१६ प्रतिशत अधिक है। यह पूर्व मध्य रेल द्वारा किसी एक वित्तीय वर्ष में किये गये माल लदान की तुलना में अबतक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक अनुपम शर्मा ने इस उपलब्धि को हासिल करने पर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी एवं भविष्य में इससे भी बेहतर प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दीं।

Escalators at Katni Station were Inaugurated By Member of Parliament, Khajuraho

PIB West Central Railways is committed to continuously enhance passenger amenities. In the same series, escalator facility has been provided at Katni staton for the convenience of the passengers. New escalator facility was inaugurated at Katin station, by MP, Khajuraho, Shri Vishnu Dutt Sharma. With this facility, now the elderly, women and davyang passengers will be able to move from one platform to other platform. During the programme, Shri Sharma while addressing the function said that, in view of the railway revenue being received from Katni station, more work can be done in Katni. In the inauguration ceremony, shri Sharma was welcomed by Additional Divisional Railway Manager Shri Deepak Kumar Gupta and Shri Vishwa Ranjan, Senior Divisional Commerical Manager welcomed Shri Sandeep Jaiswal, MLA of Katin Mudwara. In his welcome address on the occasion, Shri Deepak Gupta, while giving information about the various works being done by West Central Railway for the development of katni station, said that this escalator has the capacity to run continually for 20 hours and will carry abut 5000-6000 passengers from one platform to other platform daily. This escalator, which was installed on platform no. I was inaugurated by cutting the ribbon by Shri Vishnu Dutt Sharma, MP in the presence of public representatives and railway officers. During the function, Shri Prince Vikram, Area Manager, katni, Shri Sanjay Manoria, Senior Divisional Electrical Engineer, Shri Priyank Mishra, Collector, Shri Sunil Kumar Jain, Superintendent of Police. Shri Sunil Kumar Shirvastava, Divisional Commerical Manager along with many other officers and large number of people were present. At the end of the function. Shri Ranjan expressed his gratitude to the public representatives and social activists present during the function.

सफल विदेश नीति

रूस-यूक्रेन के मध्य हो रहे भयावह युद्ध के बीच वहां पर रह रहे छात्रें एवं अन्य भारतीयों को सुरक्षित निकालने का बड़ा दायित्व भारत के सम्मुख था। इसका उसने बहुत ही कुशलतापूर्वक निर्वहन किया। अक्सर विपक्ष मोदी पर आरोप लगाता है कि वह किसी भी कार्य को ''इवेंट'' बना देते हैं। यहां पर ऐसा ही हुआ। भारत ने इस समस्या को अत्यंत गंभीरता से लिया। युद्ध प्रारंभ होने के १० दिन पूर्व ही दूतावास के माध्यम से छात्रों को यूक्रेन छोड़ने का निर्देश दिया। पर तब उन्होंने परीक्षा छूटने एवं करियर बर्बाद होने की आशंका से वहां से निकलने में शीघ्रता नहीं की। प्रधानमंत्री मोदी चिंतित थे। भले ही वे चुनाव की रैलियां कर रहे थे, लेकिन उन्होंने लगातार स्थिति पर नजर रखी हुई थी। आपरेशन गंगा के अंतर्गत छात्रों को निकालने की योजना बनी। इस बारे में विचार विमर्श के लिए आठ बार कैबिनेट की बैठक बुलाइ। चार वरिष्ठ मंत्रियों को यूक्रेन के पड़ोसी देशों में भेजा। रूस एवं यूक्रेन के राष्ट्रपतियों से अनेक बार फोन पर वार्ता कीं ये प्रधानमंत्री मोदी की कूटनीति का असर रहा। भारतीय तिरंगे को ही युद्ध क्षेत्र में भी मार्ग में निकलने एवं सीमा तक जाने का अधिकार पत्र मान लिया गया। लगभग उन सभी २०,००० लोगों को निकाल लिया गया है, जो वहां से निकलना चाहते हैं भारत के इन प्रयासों का महत्व तब और अधिक हो जाता है जब अमेरिका, चीन एवं ब्रिटेन इस स्थिति में कुछ नहीं कर पाएं।

सभी जेड.आर.यू.सी.सी./डी.आर.यू.सी.सी.सदस्य

उक्त पत्रिका आपको नियमित रूप से भेजी जा रही है। कृपया अपने परिक्षेत्र में हुए रेल सुधारों /सुझावों के बारे में अपना लेख प्रकाशन हेतु हमें भेजने की कृपा करें।

प्रधान सम्पादक- ज्ञानेंद्र कुमार श्रीवास्तव
मो. 9793956044, 9935224867

राष्ट्रीय रेल योजना-२०३०

रे.स.ब्यूरो./सुत्र भारतीय रेल ने राष्ट्रीय रेल योजना-२०३० तैयार की है। २०३० तक 'भविष्य के लिए तैयार' रेलवे प्रणाली तैयार करने की योजना हैं इसका लक्ष्य माल ढुलाई में रेलवे की मॉडल हिस्सेदारी को ४५ प्रतिशत तक बढ़ाने हेतु परिचालनिक क्षमताओं वाणिज्यिक नीतिगत पहलों के आधार पर रणनीतियां तैयार करना हैं इस योजना का उद्दे य मांग से पहले क्षमता का सृजन करना है, जिससे २०५० तक भविष्य की मांग को पूरा किया जा सकेगा और माल यातायात में रेलवे की हिस्सेदारी ४५ प्रतिशत तक बढ़ेगी और इसे बनाए रखना है, जिसक लिए सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) सहित सभी वित्तीय मॉडलों पर विचार किया जा रहा है।

चूँकि भारतीय रेल देश का विकास इंजन है, इसलिए एनआरपी का उद्देश्य रेलवे को और अधिक कुशल, हरित और आधुनिक बनाने के लिए रेलवे में सुधार करना है जो आम आदमी को परिवहन के सस्ते, सुरक्षित और सुनिचित साधन उपलब्ध कराएगी, चाहे वह यात्री खंड में हो या माल ढुलाई खंड में। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय रेल योजना की निम्नलिखित मुख्य विषेशताओं की पहचान की गई है :

- माल ढुलाई में रेलवे की मॉडल हिस्सेदारी को ४५ प्रतिशत तक बढ़ाने के लिए परिचालनिक क्षमताओं और वाणिज्यिक नीतिगत पहलों, दोनों के आधार पर रणनीतियों तैयार करना।
- माल गाड़ियों की औसत गति का बढ़ाकर ५० किमी प्रति घंटा करके माल ढुलाई के पारगमन समय को काफी कम करना।
- राष्ट्रीय रेल योजना के भाग के रूप में २०२४ तक १०० प्रतिशत विद्युतीकरण, भीड़-भाड़ वाले मार्गो को मल्टी ट्रैक करना, दिल्ली-हाबड़ा और दिल्ली -मुम्बई मार्गो पर १६० मिमी/प्रति घंटे तक गति का उन्नयन, अन्य सभी स्वर्णिम चतुर्भुज-स्वर्णिम विकर्ण (जीक्यू /जीडी) मार्गो पर १३० किमी प्रति घंटे तक गति का उन्नयन और सभी जीक्यू/जीडी मार्ग पर सभी समपारों को समाप्त करना जैसी परियोजनाओं के त्वरित कार्यान्वयन के लिए विजन २०२४ शुरू किया गया है।
- नए डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर की पहचान करना।
- यात्री यातायात के साथ-साथ माल ढुलाई के लिए चल स्टॉक की आवश्यकता के लिए माल डिब्बों की आवश्यकता का आकलन करना।
- १०० प्रतिशत विद्युतीकरण (हरित ऊर्जा) और माल ढुलाई में मॉडल शेयर बढ़ाने के दोहरे उद्देश्यों को पूरा करने के लिए लोकोमोटिव की आवश्यकता का आकलन करना।
- पूंजी में कुल निवेश का आकलन, जो आवधिक विवरण के साथ अपेक्षित होगा।
- स्टॉक के संचालन ओर स्वामित्व, माल ढुलाई और यात्री टर्मिनलों के विकास, रेलपथ अवसंरचना के विकास संचालन आदि जैसे क्षेत्रों में निजी क्षेत्र की निरंतर भागीदारी।

Visit of Member Infrastructure & Member TRS

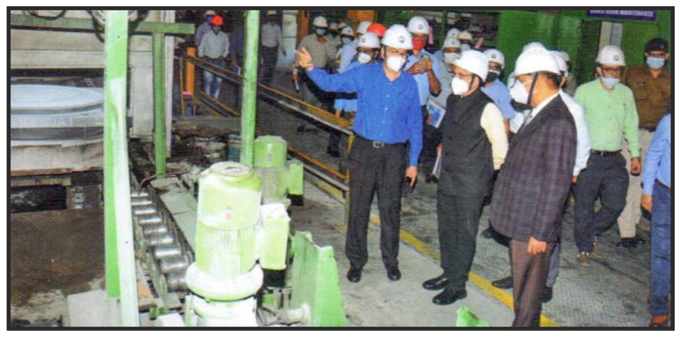

PIB Shri Sanjeev Mittal, Member infrastructure & Member Traction & rolling Stock, Railway Board visited Rail Wheel Factory. He visited the factory to review and inspect the factory to review and inspect the progress of ongoing projects, major being the additional axle forging and machining lines. The requirement of wheels and axles requirement of wheels and axles will increase with the mission 'Hungry for Cargo' of Indian Railways. The completion of these projects will enhance the axle manufacturing capacity which will ensure reduction of expenditure on import axles, thereby contributing to the Government of India's motto of 'Aatmanirbhar Bharat'. He has detailed discussion with Shri Ajai Kumar Dubey, GM/RWF, Shri P. N. Jha. PCME and other senior officers of RWF regarding completion of the projects and production planning.

ऊधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक परियोजना देश की सबसे लम्बी रेल सुरंग खोदने का कार्य पूर्ण।

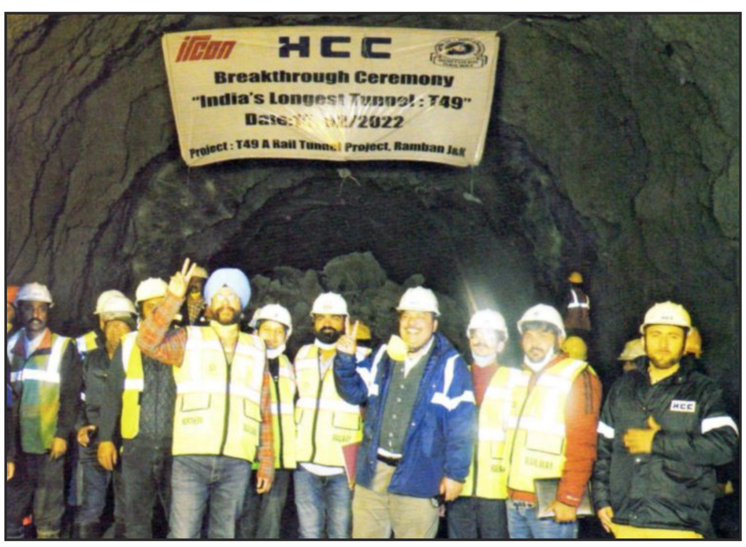

रे.स.ब्यूरो./सुत्र जम्मू एवं कश्मीर को एक वैकल्पिक, विश्वसनीय और हर मौसम में उपलब्ध रहने वाली जन यातायात प्रणाली उपलब्ध कराने के लिए भारत सरकार ने श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक परियोजना के अंतर्गत क मीर घाटी को भारतीय के नेटवर्क के साथ जोड़ने के लिए ऊधमपुर से बारामुला तक २७२ किलोमीटर लम्बी रेल लाइन बिछाने की योजना बनाई है। यह राष्ट्रीय परियोजना स्वतंत्रता के बाद भारतीय रेल द्वारा किय गया अब तक का सबसे चुनौतीपूर्ण रेल निर्माण कार्य है। ऊधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक परियोजना शिवालिक पर्वत श्रेणियों से शुरू होकर मध्य हिमालय की ऊँची परी पंजाल की पहाड़ियों से होती हुई क मीर घाटी तक पहुँचती है। बेहतर निश्पादन और निगरानी के लिए इस परियोजना को चार चरणों में विभाजित किय गया है। ऊधमपुर-कटड़ा ऊधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक परियोजना के अंतर्गत क मीर घाटी(२५ किलोमीटर), कटड़ा-बनिहाल (१११ किलोमीटर), बनिहाल- काजीगंड (१८ किलोमीटर) और कांजीगुंड-बारामुला (११८ किलोमीटर)। कुल २७२ किलोमीटर में से १६१ किलोमीटर रेल मार्ग पूरा हो गया है और इस पर रेल परिचालन हो रहा है। बनिहाल-काजीगंड बारामूला सेक्शन में रेलों का परिचालन हो रहा हैं ये ट्रेनें पीर-पंजाल पर्वत श्रृंखला को पार करने के लिए प्रसिद्ध ११.२ किलोमीटर लम्बी सुरंग टी-८० से होकर क मीर घाटी में प्रवेश करती है। वर्ष २०१४ में ऊधमपुर-कटड़ा सेक्शन के पूरा हो जाने के बाद रेलगाड़ियों को जम्मू से श्रीमाता वैष्णों कटड़ा तक विस्तार दिया गया है।

कटड़ा-बनिहाल के बीच १११ किलोमीटर के शेश रेल मार्ग का कार्य तेजी से चल रहा है। कटड़ा-बनिहाल रेल सेक्शन इस परियोजना का सबसे चुनौतीपूर्ण हिस्सा है। पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण इस रेल मार्ग का ६४ः भाग सुरंगों व पुलां पर रहेगा। इस रेल मार्ग पर ०६ रेल स्टेशनों के साथ-साथ बड़ी संख्या में सुरंगों और पुलों का निर्माण किया जा रहा है। जम्मू-कशमीर के रियासी और राबन जिले की विशम पहाड़ियां में सुरंग बनोन का कार्य बहुत ही कठिन रहा हैं इस क्षेत्र में शक्तिशाली चिनाब नदी की तेज बहने वाली सहायक धाराओं और गहरी घाटियों पर पुलों का निर्माण करना कोई आसान काम नहीं है।

भर्तियों से सम्बन्धित शिकायतों को दूर करने के लिए रेलवे ने उच्चाधिकार समिति का जयपुर दौरा

रे.स.ब्यूरो./सुत्र गैर तकनीकी लोप्रिया श्रेणी (एनटीपीसी) परीक्षा से संबंधित समस्याओं को सुनने के लिए रेलवे बोर्ड की ओर से गठित उच्चाधिकारियों की टीम ने प्रधान कार्यालय, उत्तर पश्चिम रेलवे, जयपुर के सभागार कक्ष में अभ्यर्थियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित सुझाव/शिकायतें, उक्त परीक्षाओं के २५० से अधिक प्रतिभागियों से ली। उच्चाधिकार समिति में समिति के चेयरमैन श्री दीपक पीटर गैब्रियाल तथा समिति के सदस्यों में कार्यकारी निदेशक रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड श्री राजीव गाँधी एवं चेयरमैन रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड अजमेर श्री के. आर. चौधरी शामिल रहे। समिति के अन्य सदस्य श्री आदित्य कुमार, श्री जगदीश अलगर एवं श्री मुकेश गुप्ता भी बैठक में वर्चुअल माध्यम से उपस्थित रहे। उक्त बैठक में मुख्य कार्मिक अधिकारी/प्रशासन श्री राजीव सिंह, मुख्य कार्मिक अधिकारी/ औद्योगिक संबंध श्री बी.एल. मीणा समेत वरिश्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

‘राष्ट्रीय बालिका दिवस’ के अवसर पर ६० बालिकाओं का सम्मान

रे.स.ब्यूरो./सुत्र बलिकाओं के सशक्तीकरण तथा प्रत्येक क्षेत्र में उनके लिए समानता की पृष्ठभूमि तैयार कर उन्हें प्रोत्साहित करने हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा २४ जनवरी २०२२ को ‘राष्ट्रीय बालिका दिवस’ के अवसर पर ‘नए भारत के निर्माण में बालिकाओं का योगदान’ विषय पर ऑनलाइन सेमिनार का आयोजन किया गया। बिलासपुर में बालिका सम्मान समारोह के आयोजन हेतु बिलासपुर रेल मंडल को नामित किया गया था, जिसके अंतर्गत सायं ०४ बजे मंडल रेल प्रबंधक, बिलासपुर सभाकक्ष में आयोजित सादे समारोह में मंडल रेल प्रबंधक श्री आलोक सहाय, द्वारा शिक्षा, खेल, सांस्कृतिक, आर्ट एवं क्राफ्ट सहित विभिन्न क्षेत्रें में उत्कृश्अ प्रदर्शन करने वाली ३३ बालिकाओं को सम्मानित किया गया। इसके साथ तीनों रेल मंडलों में आज ४० छात्राओं एवं २० स्काउट एंड गाइड की वॉटियर सहित कुल ६० बालिकाओं को सम्मानित किया गया।

एक्ट एप्रेंटिस के नवागत प्रशिक्षुओं के लिए ओरिएंटेशन शिविर का आयोजन

रे.स.ब्यूरो./सुत्र रेल प्रशासन द्वारा कौशल विकास के क्रम में अपने संस्थानों में विभिन्न विषयों में अप्रेंटिस प्रशिक्षण कराया जाता हैं इसी अनुक्रम में रेल भर्ती प्रकोष्ठ उत्तर मध्य रेलवे द्वारा भी वर्ष २०२०-२१ के नोटिफिकेशन के तहत कुल १,४६६ का नैनल जारी किया गया हैं इसी अनुक्रम में वर्ष २०२१-२२ का १.४६६ का पैनल जारी किया गया है। इसी अनुक्रम में वर्ष २०२१-२२ का १,६६४ रिक्तियों का पैनल प्रक्रियाधीन है।

वर्ष २०२०-२१ के पैनल के अधिकांश प्रशिक्षु मंडलों में रिपोर्ट कर चुके हैं और विभिन्न ट्रेड में अप्रेटिंस कर रहे अप्रेटिसों का मंडल के कार्मिक विभाग के तत्वाधान में ओरिएंटेशन शिविर का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण से उनके कार्य सम्बन्धित गुणवत्ता बढ़ेगी।

डीएफसीसी आईएल के साथ समीक्षा बैठक

रे.स.ब्यूरो./सुत्र पूर्वी डीएफसी के निर्माण की प्रगति से जुड़े कार्यों की समीक्षा करने के लिए महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे श्री प्रमोद कुमार की अध्यक्षता में उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में डीएफसीसी आईएल के प्रबंध निदेशक आर.के. जैन डीएफ -सीके दीन दयाल उपाध्याय दादरी खंड की प्राथमिकताओं और प्रगति के बारे में चर्चा हुई। प्रबंध निदे ाक डीएफसी ने बताया की रूमा-शुजातपुर खंड में सभी प्रमुख कार्य पूरे कर लिए बए हैं और इसे जल्दी ही खोज दिया जाएगा।

दादरी-खुर्जा, चुनार- करछना एवं अन्य खंडों पर काम तेज गति से चल रहा है। बैठक में अपर महाप्रबंधक श्री रंजन यादव, प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक श्री बिप्लव कुमार, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण श्री शरद मेहता, मंडल रेल प्रबंधक प्रयागराज श्री मोहित चंद्रा, मुख्य ब्रिज इंजीनियर श्री नरेंद्र सिंह सहित मुख्यालय और मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। डीएफसी की ओर से निदे ाक (ओ एंड बीडी) री एस नंदूरी, निदे ाक (सिविल) श्री अजय, सीपीएम प्रयागराज श्री ओमप्रकाश बैठक में शामिल हुए।

दक्षिण पश्चिम रेलवे ने ‘मिशन रफ्तार’ के तहत बुनियादी ढांचे का उन्नयन किया

रे.स.ब्यूरो./सुत्र भारतीय रेल के ‘मिशन रफ्तार’ में यात्री और मालगाड़ियों की औसत गति में सुधार की परिकल्पना की गई है, जिसके लिए रेलवे दोहरीकरण सहित कई मोर्चो पर काम कर रही है। विभिन्न ट्रैक को मजबूत करना एक थ्रस्ट एरिया है। दक्षिण पश्चिम रेलवे ने सेक्शनल गति में सुधार, स्टेशनों पर लूप लाइनों पर गति में सुधार और स्थाई गति प्रतिबंधों को समाप्त करने के लिए बड़े पैमाने पर ट्रैक नवीनीकरण और इंजीनियरिंग कार्य किए हैं। यह लंबे प्रतिबंध मुक्त हिस्सों के लिए मार्ग प्रशस्त कर रहा है, जिससे ट्रेनों की गति क्षमता में वृद्धि हो रही हैं चालू वित्त वर्ष में दिसम्बर २०२१ तक कुछ महत्वपूर्ण उपलब्धियां इस प्रकार हैं :

दपरे के ३१७ रूट किमी से अधिक के सेक्शन की गति बढ़ा दी गई है। कुछ सेक्शन अरसीकेरे - तुमकूरु, दावणगेरे- तोलाहुंसे, हरिहर-देवरगुड्डा, चिक्कबल्लापुर-कोलार, यहहंका - ओडरहलिल, माकलीदुर्ग - देवरपल्लि, चिक्कोडी रोड-रायबाग-कुडची, गडग-बिंकदकट्टी, जुमनाल- विजया-पुर शामिल हैं। पिछले तीन वर्षो में लगभग २,००० आरकेएम सेक्शनल गति बढ़ाई गई है।

इस वित्तीय वर्ष के पहले ६ महीनों में विभिन्न स्टेशनों पर कुल १५३ किमी की लूप लाइनों पर गति १५ किमी प्रति घंटे से बढ़ाकर ३० किमी प्रति घंटे की गई हैं यशवंतपुर ओर हुब्बल्लि के बीच के सभी स्टेशनों पर पिछले ३ साल में लूप लाइन की गति बढ़ाई गई हैं इसी तरह यशवंतपुर-ओमलुरु, मैसूरू-अरसीकरे, वंडल-होटगी आदि के बीच सभी स्टेशनों पर लूप लाइन की गति बढ़ा दी गई हैं दिसम्बर २०२१ तक दक्षिण पश्चिम रेलवे पर १८ स्थाई गति प्रतिबंधों को हटा दिया गया हैं/शिथिल कर दिया गया है।

महाप्रबंधक श्री संजीव किशोर के अनुसार रेलपथ दोहरीकरण और ऊपर के कार्यो के कारण प्राप्त प्रगति के परिणामस्वरूप ट्रेनों की गतिशीलता में सुधार हुआ है। २०२१-२२ के दौरान ३२ एक्सप्रेस/पैसेंजर गाड़ियों की गति बढ़ा दी गई हैं उन्होंने कहा कि दपरे, बेंगलुरू-एसएसएस हुब्बल्लि, लोंडा-मिराज और गदग-होटगी मार्गों पर दोहरीकरण कार्य कर गति बढ़ाने हेतु प्रयास कर रही है। सेक्शनल गति में वृद्धि न केवल यात्रा के समय को कम करेगा, बल्कि समयपालन में भी सुधार लाएगी।

त्रिदीप पॉल, पूर्व रेलवे

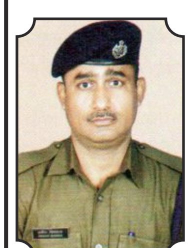

कोलकाता के १४ स्ट्रैंड रोड स्थित न्यू कोइलाघाट बिल्डिंग की १३वीं मंजिल में ०८ मार्च, २०२१ को भीषण आग भड़क उठी, जिसमें कई लोग आग और धुंए के कारण फंस गए। यह देख कांस्टेबल त्रिदीप पॉल ने अपनी जान और सुरक्षा की परवाह न करते हुए और अदम्य साहस का परिचय देते हुए न केवल आग बुझाने में मदद की बल्कि इमारत में फंसे तीन लोगों की भी रक्षा की। उनकी इस बहादुरी की सराहना करते हुए महामहिम राष्ट्रपति द्वारा उन्हें जीवन **रक्षा पदक प्रदान** किया गया है।

संजीत कुमार राम, दक्षिण पूर्व रेलवे

बिष्णुपुर रेलवे स्टेशन पर २० जुलाई, २०२१ को एक व्यक्ति ने आत्महत्या करने के इरादे से सामने से आ रही ट्रेन के आगे पटरी पर छलांग लगा दी। ट्रेन जब १०० मीटर की दूरी पर थी तो एचसी/संजीत कुमार राम की नजर उस व्यक्ति पर पड़ी। वह तुरंत मौके की ओर लपके और अपनी जान की परवाह किए बिना उसे पटरी से परे धकेल दिया। इस तरह उन्होंने एक ऐसे व्यक्ति की जान बचा ली, जो आत्महत्या करने जा रहा था। उनकी इस बहादुरी की सराहना करते हुए महामहिम राष्ट्रपति द्वारा उन्हें **जीवन रक्षा पदक** प्रदान किया गया है।

पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षों की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सद्स्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके। सहयोग राशिः

१. उच्चतम अधिकारी- ५००० रु. मात्र २.उच्च अधिकारी- ३५०० रु. मात्र
३.अधीनस्थ अधिकारी-२५०० रु. मात्र ४. रेलकर्मी/अन्य सदस्य- १००० रु.मात्र

प्रबंध संपादक
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव/ अनिल केन
रेल समाचार ब्यूरो कैंप कार्यालय-८४३६ आर्य नगर पहाड़गंज दिल्ली-५५

सदस्य, रेलवे बोर्ड ने उत्तर पश्चिम रेलवे के अधिकारियों के साथ बैठक की

रे.स.ब्यूरो./सुत्र कार्यालय में श्री विजय शर्मा, महाप्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे तथा विभागाध्यक्षों के साथ बैठक की। बैठक में श्री मित्तल ने कहा कि हमें लोडिंग बढ़ाने के लिए सुगम, तीव्र, किफायती तथा पर्यावरणानुकूल रेलमार्ग उपलब्ध कराने की ओर प्रयास करने चाहिए। उन्होंने आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने और संरक्षा को सदैव ही प्राथमिकता पर रखने पवर बल दिया। इसके लिए ट्रैक अनुरक्षण कार्यो को समयानुसार करने तथा प्रत्येक स्तर पर निरीक्षण को सुनिश्चित किया जाना चाहिए। महाप्रबंधक ने उत्तर पश्चिम रेलवे के कार्य निष्पादन तथा योजनाओं तथा प्रगति के बारे में अवगत करवाया।

सदस्य रेलवे बोर्ड ने किया रेल कोच फैक्ट्री का दौरा

रे.स.ब्यूरो./सुत्र संजीव मित्तल, सदस्य (इंफ्रास्ट्रक्चर, ट्रैक्शन एवमं रोलिंग स्टॉक), रेलवे बोर्ड ने ०२ फरवरी, २०२२ को रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला का दौरा किया और बनाए जा रहे विभिन्न प्रकार के डिब्बों, जैसे एसी थ्री टियर इकोनॉमी क्लास आदि की जांच की। उन्हें नैरो गेज विस्बडोम कोच का मॉक-अप भी दिखाया गया। उन्होंने थ्री फेज मेमू कोचों के दूसरे रेक को भी झंडी दिखाकर रवाना किया। उनकी उपस्थिति में वंदे भारत शेड का भूमि पूजन किया गया। आरसीएफ द्वारा वंदे भारत ट्रेन सेटों का निर्माण अगले वर्ष व्यापक स्तर पर किया जाएगा। मितत्तल ने रेल असेंबली शॉप में वंदे भारत ट्रेन के कोच रेल निर्माण हेतु जिग का भी उद्घाटन किया।

देश में हाई स्पीड रेल कॉरिडोर

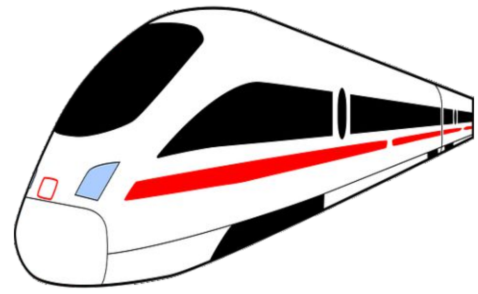

इस समय देश में हाई स्पीड रेल की मुबंई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना ही केवल एक स्वीकृत परियोजना है जो जापान सरकार से प्राप्त वित्तीयय एवं तकनीकी सहायता के साथ कार्यान्वित की जा रही है। मुंबइ-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएएचआर) परियोजना की वर्तमान स्थिति निम्नानुसार है:-

- वन्यजीव संबंधी, तटीय नियमन जोन (सीआरजेड) और वन संबंधी स्वीकृति के संबंध में सभी सांविधिक स्वीकृतियां प्राप्त कर ली गई है।
- लगभग १, ३६६ हेक्टेयर की कुल भूमि की आव यकता में से १,१६३ हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण कर लिया गया है।
- सम्पूर्ण परियोजना को २७ संविदा पैकेजो में बांट दिया गया है। इस समय, १२ पैकेज दिए जा चुके हैं, ३ मूल्यांकन के अधीन हैं और ४ पैकेजो के लिए निविदाएं आमंत्रित की जा चुकी हैं।
- गुजरात और दादरा और नगर हवेली में कुल ३५२ किमी में से ३४२ किमी लंबाई में सिविल कार्य शुरु हो गया है।

भूमि अधिग्रहण पूरा हो जाने और सभी संविदाओं को अंतिम रूप दिए जाने के बाद ही लागत में अनुमानित वृद्धि और समयसीमा का पूर्ण निर्धारण किया जा सकता हैं इसके अलावा, रेल मंत्रालय (एमओ आर) ने निम्नलिखित ७ हाई स्पीड रेल गतियारों के लिए सर्वेक्षण करने और विस्तृत परियोजना रिर्पोट (डीपीआर) तैयार करने का विनिश्चय किया है :

श्री अनिल कुमार (मध्य रेलवे)

श्री अनिल कुमार, कांस्टेबल, रेलवे सुरक्षा बल, मुंबई मंडल/मध्य रेलवे ठाणे स्टेशन पर यात्रियों के सामान को चोरी होने से बचाने और उसका पता लगाने के लिए तैनात थे। ३ दिसम्बर, २०१६ को रात लगभग १०:२६ बजे उनकी नजर एक व्यक्ति पर पड़ी, पटरी से प्लेटफॉर्म नम्बर-७ पर चढ़ने की कोशिश कर रहा थे। जबकि सामने से आती ट्रेन नम्बर १८०२६ उसके बहुत करीब पहुँच चुकी थी। श्री अनिल कुमार उस समय प्लेटफॉर्म नंबर-६ पर थे। उस व्यक्ति के जीवन को खतरे में देख उन्होंने अपने जीवन की परवाह न करते हुए पटरी पर छलांग लगा और क्षण में उस व्यक्ति को खतरे से बाहर निकाल दिया। सही समय पर और साहसपूर्ण कार्रवाई के कारण वह एक व्यक्ति के मूल्यवान जीवन को बचाने में सक्षम हो सके।

राजबीर सिंह उत्तर रेलवे

२३ जुलाई, २०२१ को रात १०:४२ बजे एक यात्री ट्रेन में चढ़ने की कोशिश कर रहा था कि तभी वह फिसल गया और उसका पैर ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच फंस गया। उस ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ कांस्टेबल श्री राजबीर सिंह फौरन इस यात्री की और दौड़े और उसे चतली ट्रेन से सुरक्षित बाहर खींच लिया और इस दौरान वह भी घायल हो गए। इस विकट परिस्थिति से जूझते हुए खुद को शांत रखते हुए कांस्टेबल राजबी सिंह अपने जीवन को संकट में डालकर एक अनमोल जीवन बचाने में सफल रहे। उनकी इस बहादुरी की सराहना करते हुए महामहिम राष्ट्रपति द्वारा उन्हें जीवन **रक्षा पदक प्रदान** किया गया है।

एनसीआर के हर रूट पर दौड़ेगी इलेक्ट्रिक इंजन वाली ट्रेन

रे.स.ब्यूरो./सुत्र उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) के सभी रूटों पर अब इलेक्ट्रिक इंजन वाली ट्रेन दौड़ेगी। एनसीआर के ६८ प्रतिशत ब्राड गेज नेटवर्क का विद्युतीकरण हो जाने के बाद यह उपलब्धि मिली है।

२०२१-२२ में एनसीआर का ४३६ रूट किमी विद्युतीकृत किया गया, जिससे ४२ जोड़ी ट्रेनों को डीजल से इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन में भी परिवर्तित किया गया। इससे ट्रैक्शन परिवर्तन की समस्या खत्म होगी, डीजल और राजस्व की बचत और ट्रेनों की औसत गति के साथ ट्रेनें सही समय पर गंतव्य तक पहुंचेंगी। अपने स्थापना दिवस सप्ताह पर एनसीआर की उपलब्धि गिनवाते हुए महा-प्रबंधक प्रमोद कुमार ने बताया कि एनसीआर का कुल ब्राड गेज नेटवर्क ३,२२२ रूट किमी है, जिसमें से अब ३,१४६ रूट किमी का विद्युतीकरण किया जा चुक है। उत्तर प्रदेश के एटा, मैनपुरी, फर्रुखाबाद, इटावा, फिरोजपुर, फर्रुखाबाद, तथा आगरा और मध्य प्रदेश के ग्वालियर, भिंड, टीकमगढ़ और छतरपुर जिले तक विद्युतीकृत सेवा मिलेगी। विद्युतीकरण से पर्यावरणीय लाभ मिलेगी। विद्युतीकरण होने वाले रूट-इस वर्श १. झांसी मंडल के महोबा-खजुराहो (६४ रूट किमी), खजुराहों ईशानगर (५७ रूट किमी), खजुराहो-इशानगर (५७ रूट किमी), बिरलानगर-उदीमोड़ (१०१ रूट किमी) विद्युतीकृत हुआ। जबकि प्रयागराज मंडल के मैनपुरी-शिकोहाबाद (५१ रूट किमी), इटावा - मैनपुरी के साथ मैनपुरी-फर्रुखाबाद, (१०७ रूट किमी), बरहन-एटा (५६ रूट किमी) का विद्युतीकरण पूरा हुआ।

रेलवे एथलेटिक चैंपियनशिप में एनसीआर ने जीते पाँच मेडल

रे.स.ब्यूरो./संवा प्रयागराज : अखिल भारतीय रेलवे एथलेटिक चैंपियशिप में उत्तर मध्य रेलवे की टीम ने एक रजत समेत पांच मेडल जीते। एनसीआर मुख्यालय पहुंचने पर खिलाड़ियों का जीएम प्रमोद कुमार ने स्वागत किया। प्रतियोगिता का आयोजन कोलाकाता में हुआ। एनसीआर की १८ सदस्यीय टीम ने हिस्सा लिया था। जिसमें एक रजत, चार कांस्य पदक एनसीआर की झोली में आए। हैमर थ्रो में गुरजिंदर को रजत, हैमर थ्रो में एजाज अहमद, जैवेलिन थ्रो में मनोज यादव, तीन किमी स्टीपल चेज में नंदिनी गुप्ता और डेढ़ किमी दौड़ में रिशु सिंह को कांस्य पदक मिले। टीम की कोच रागिनी सिंह, टीम मैनेजर दिवाकर शुक्ला रहे। वहीं कोहिमा में आयोजित ५६वीं राष्ट्रीय क्रास कंट्री चैम्पियन में रजत पदक विजेता टीम में शामिल वीरेन्द्र पाल को भी सम्मानित किया गया । खेल संघ के अध्यक्ष शरद मेहता, महासचिव नितिन गर्ग, अजय सिंह दिनेश यादव, मकबूल आदि थे।

योगी का डंडा निजी विद्यालय पर किताब, कॉपी, यूनीफार्म बेचने पर रद्द हो जायेगी मान्यता

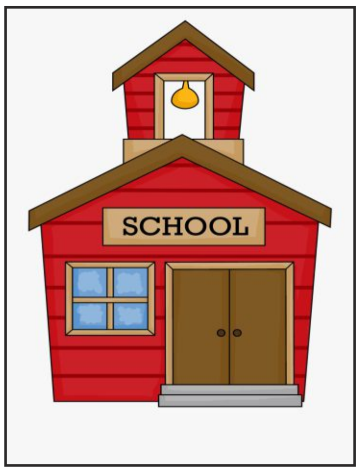

रे.स.ब्यूरो./सवां लखनऊः उत्तर प्रदेश आमतौर पर सभी निजी स्कूल किताब कॉपी और यूनिफॉर्म खुद बेचते हैं और उस पर मोटी रकम वसूलते है । लेकिन अब उत्तर प्रदेश में ऐसा नहीं होगा अगर निजी स्कूल वाले किताब कॉपी और यूनिफॉर्म खुद भेजते हैं तो उनकी स्कूल की मान्यता निरस्त हो जाएगी योगी सरकार की यह एक बहुत बड़ी पहल है जिससे कि अभिभावकों को काफी राहत मिलेगी । जिला विद्यालय निरीक्षक ने यह एक बहुत बड़ा फैसला लिया है। लखनऊ जिला विद्यालय निरीक्षक का अभिभावकों को राहत देने वाला फैसला. किताब, कॉपी, यूनीफार्म बेचने पर रद्द होगी निजी स्कूलों की मान्यता, शिक्षा विभाग ने कसी कमर,अभिभावक सीधे कर सकेंगे शिकायत इस तरह केप पहल की ।

चार सौ लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण लायंस क्लब ने कराया

रे.स.ब्यूरो./सवां लायंस क्लब पावन गंगा ने रविववार को हरिदया सुपर स्पेशियल्टी सेंटर प्रांगण में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन यिका। इसमें लगभग चार सौ लोगों के स्वास्थ्य का निःशुल्क परीक्षण कराया गया। मुख्य अतिथि वरिष्ठ कार्डियोलाजिस्ट सर्जन डा. विजयंत देवराज ने कहा कि ऐसे शिविर से लोगों को काफी फायदा होता है। शिविर के संयोजक डा. आशीष टंडन के नेतृत्व में शुगर, रक्तचाप, वांस, फेफड़ों, कैंसर, अस्थि आदि रोगों की जांच की गई। वहीं होम्योपैथी चिकित्सक डा. अर्पणाधर दूबे ने भी मरीजों को उपचार बताया। क्लब के डिप्टी गवर्नर सतीश टंडन, अनिल जायसवाल, वीरेन्द्र जायसवाल, प्रीती टंडन, अतुल मेहरोत्रा, राजन टंडन, सचिव नीरा टंडन मौजूद रही। संचालन अनिल टंडन व आभार संजय चड्ढा ने ज्ञापित किया।

३० वर्षों से मैं काशी की सेवा कर रहा हूं, दयाशंकर मिश्रा "दयालु" राज्यमंत्री

रे.स.ब्यूरो./सुत्र इलाहाबाद रोहनिया विधानसभा क्षेत्र के राज्य मंत्री खाद्य एवं औषधि राज्य मंत्री दया शंकर मिश्रा दयालु गुरु का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। जिसके दौरान राज्यमंत्री मंत्री ने कहा कि मैं ३० वर्षो से काशी की सेवा कर रहा हूं। यहां हमे जो प्यार आशीर्वाद मिला, सदैव आप सभी का आभारी रहूंगा। स्वागत करने वालो में मुख्य रूप से ग्राम प्रधान मनीष जायसवाल, ग्राम प्रधान भईया लाल पटेल, देवनाथ मिश्रा,आलोक सिंह, क्षेत्र पंचायत सदस्य बुच्चुन गुप्ता,दीपक जायसवाल, संजय मोदनवाल, प्रदीप जायसवाल, प्रमोद मिश्रा, अजय जायसवाल, राजेश पटेल, हेमेंद्र सिंह, मंगला प्रसाद, निखिल जायसवाल, पंकज मिश्रा, दीपक जख्मी सहित सैकड़ों लोग शामिल रहे।

नींबू की कहानी

आपको ध्यान नही होगा कि १९५४ में जब **Dry Milk Powder** (सूखा दूध) जब मार्केट में दिया तो कोई नही खरीद रहा था। ये कम्पनियां बर्बाद होने को थी। तब इन्होंने **BAD MARKETING** का एक घटिया तरीका निकाला। उन्होंने रोजाना मार्केट से सारा दूध चुपचाप से खरीद के नालियों में फिकवाना शुरू कर दिया। लोगों के पास सूखा दूध खरीदने के अलावा कोई और विकल्प नही बचा। लगभग तीन महीने ये गंदा खेल चलता रहा। इनका **Product Market** में **Demand** पे आ गया। सूखे दूध के दाम भी बढ़ाए और सारा खर्चा निकाल लिया। १९५४ के बाद अब नींबू महंगा होने के पीछे कहीं शीतल पेय बनाने वाली कंपनियों की यही ट्रिक तो नही. क्यूँकि अबकि बार लोगों में कोल्ड ड्रिंक्स के खिलाफ जागरूकता जाग चुकी है मंथन कीजिएगा। कहां जा रहे है नींबू? शिकंजी की जगह आम पन्ना पिएं और पिलाएं। परंतु जहर को ना पनपने दे।

Visit of High-level delegation of National Railways of Zimbabwe to Banaras Locomotive Works

PIB BLW make Diesel Locomo-tives are making their presence felt in Africa.

In the spirit of Atmanirbhar Bharat, Cape Gauge Diesel Locomotives Designed in India,

- Made in India and
- Financed by India
- For Export

Were exported to for Mozambique.

The crank-case assembly, which is most important item of the engine, is made in-house at BLW. These locomotives are currently successfully being operated as multiple units to haul coal from Coal Mines.

These locomotives were formally inaugurated by H.E. the President of Mozambique, in presence of H.E. the President of Zimbabwe at Beira on 11th of February 2022 and High Commissioner of India at Mozambique. This threw the spot light on BLW and catapulted it as a trustworthy partner and locomotive manufacturing brand.

As a result, a five-member high-level delegation of National Railways of Zimbabwe along with the officials of M/s RITES are visiting India.

GM/ BLW greeted Advocate Martin Tafara Dinha/ Board Chairman NRZ, Mr. Elesh Kumar Patel/ Board Member, Ms. Respina Zinyanduko/ General Manager, Mr. Lovemore Katonha/ Traction and Quality and Mr. Tsietsi Ndlovu/ Regional Engineer during their meeting with RITES and assured them of full support and promptness in fulfilling their export orders. She assured the Team from Zimbabwe that BLW was very keen on participating in the economic growth and modernization of the National Railways of Zimbabwe. The team from National Railways of Zimbabwe visited Banaras Locomotive Works on 29.03.2022 to see the manufacturing facilities available at BLW.

On this occasion, a meeting of delegates was held with a team of higher officials from BLW. During the meeting, capabilities of BLW were showcased and details of loco exported were apprised to delegation from Zimbabwe.

Thereafter, the high level delegation visited various shops of BLW Workshop like New Block Shop, Engine Test Shop, Loco Assembly Shop etc. During shop visit, delegation was apprised about the various stages of manufacturing involved in manufacturing of locomotives. Delegation was also shown state of the art manufacturing facilities available at BLW. Standard gauge Locomotive converted from Broad Gauge locomotive was also shown to the delegation. The delegation was impressed by the design capabilities and manufactu-ring facilities available at BLW.

हिन्दी भाषा रेल की भाषा
हिन्दी भाषा देश की भाषा

ब्रजभूमि मथुरा के विकास के लिए सदैव संकल्पित लोकप्रिय सांसद, विश्व विख्यात अभिनेत्री हेमा मालिनी जी के साथ ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा के सम्पूर्ण निरीक्षण के उपरांत विकास कार्यो को लेकर प्रजेंटेशन प्रस्तुत करते हुए। साथ में कुंज बिहारी चतुर्वेदी मेम्बर (ZRUGC NCR)

उच्चाधिकार प्राप्त समिति के समक्ष अभ्यर्थियों ने रखे अपने सुझाव

रे.स.ब्यूरो./सुत्र आरआरबी की एनटीपीसी परीक्षा और सुझावों पर गौर करने के लिए रेलवे बोर्ड द्वारा गठित उच्चाधिकार समिति ने आउटरीच शिविर में अभ्यर्थियों से वार्ता करने हेतु प्रयागराज का दौरा किया और भर्ती प्रक्रिया के संबंध में उनके सुझाव प्राप्त किए। रेलवे की विभिन्न परीक्षाओं में शामिल १०० अभ्यर्थियों ने प्रयागराज में आयोजित इस सत्र में भाग लिया और समिति के समक्ष अपनी शंकाओं और सुझावों को दर्ज कराया।

हर्ष की गेंदबाजी से रेलवे विद्युतीकरण जीता

रे.स.ब्यूरो./सवां प्रयागराज : रेलवे मैदान पर मेच में एबी सरन व हर्ष खरे की शानदार गेंदबाजी के दम पर रेलवे विद्युतीकरण ने पांच विकेट से जीत दर्ज की। रेलवे विद्युतीकरण ने डीएसए रेलवे को बल्लेबाजी का न्यौता दिया। डीएसए रेलवे ने २० ओवर में पांच विकेट खोकर १६३ रन बनाए। निखिल दुबे ने ३६ रन, जमीर ने ३८ रन, यश राज ने ३२ रन का सहयोग किया। एबी सरन व हर्ष खरे ने दो विकेट लिए। रेलवे विद्युतीकरण ने १६.१ ओवर में पांच विकेट खोकर १६५ रन बनाए। आदित्य प्रताप सिंह ने नाबाद ३६ रन, राहुल त्रिपाठी नाबाद ३४ रन, अनुभव बघेल ३४ रन बनाए। यश राज ने दो विकेट, यश श्रीवास्तव, दिव्याशु सिंह व विशेष आनंद एक-एक विकेट लिया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे एवं सीएमडी, महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड के मध्य ऑनलाइन बैठक का आयोजन

रे.स.ब्यूरो./सुत्र दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा समय-समय पर अपने कार्य क्षेत्र में अवस्थिति उद्योगों के प्रतिनिधियों साथ संवाद स्थापित करती है। इसी कड़ी में देश के बिजली तापघरों व उद्योगों को कोयले की आपूर्ति सुनिश्चित करने सहित अन्य मुद्दों पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे एवं महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) के अधिकारियोंके मध्य वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ऑनलाइन बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें श्री आलोक कुमार, महाप्रबंधक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे सहित सभी विभागाध्यक्ष एंव महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) मुख्यालय संबलपुर में श्री ओ. पी. सिंह, सीएमडी एमसीएल ऑनलाइन उपस्थिति थे।

राष्ट्रपति भवन में राजभवन की तर्ज पर बनेगा बोनसाई गार्डन

रे.स.ब्यूरो./सुत्र देहरादूनः राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द और प्रथम मलि सविता कोविन्द ने उत्तराखण्ड के राजभवन में बोनसाई गार्डन के पुनरुद्धार तथा विस्तारीकरण कार्यो का लोकार्पण किया। उन्होंने राष्ट्रपति भवन में भी इस तरह की शुरुआत किए जाने और इसमें राजभवन, उत्तराखण्ड का सहयोग लेने की भी बात कही । उत्तराखण्ड राजभवन परिसर में १५०० वर्ग मीटर क्षेत्रफल में बोनसाई गार्डन बनाया गया। इस गार्डन में लगभग २२० प्रकार के बोनसाई पौधे संरक्षित किए गए है। इनमें फ्लावरिंग बोनसाई, फ्रूट बोनसाई, क्लाइंबरस तथा विभिन्न लुप्तप्राय प्रजाति के बोनसाई पौधे रखे गए है। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने गार्डन में ५०० अत्यंत विशिष्ट प्रजाति के अतिरिक्त पौधे संरक्षित करने के निर्देश दिए है।

एक महिला यात्री ने इगतपुरी में टीम मुंबई डिवीजन की मदद से बच्चे को जन्म दिया

रे.स.ब्यूरो./सुत्र एक घटना में श्रीमती प्रियंका शर्मा नाम की एक गर्भवती महिला को एलटीटी से फूलपुर (प्रयागराज के पास) ११०७१ कामायानी एक्सप्रेस की स्लीपर क्लास में यात्रा करते समय कसारा और इगतपुरी के बीच प्रसव पीड़ा हुई। ऑन-ओर्ड टीसी स्टाफ ने तुरंत श्री आनंद शिंदे, डिप्टी स्टेशन मैनेजर (कमर्शियल), इगतपुरी को सूचित किया। श्री शिंदे ने इगतपुरी स्टेशन पर एक महिला डॉक्टर और महिला आरपीएफ कांस्टेबल सुश्री सविता को प्रियंका को अटेंड करने भेजा। डॉ. ज्योत्स्ना, अतिरिक्त मंडल चिकित्सा अधिकारी और टीम ने महिला की देखभाल की और उसे इगतपुरी में रुकने की सलाह दी।

प्रियंका ने रेलवे मेडिकल टीम की सहायता से लगभग १७:१५ बजे स्टेशन के प्रतीक्षालय में एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया। नवजात और महिला को प्रसवोत्तर उपचार हेतु एम्बुलेंस द्वारा ग्रामीण अस्पताल, इगतपुरी में स्थानांतरित कर दिया गया।

Inauguration of Heritage Railway Museum at Braipada

PIB/NDLS Shri Bishweswar Tudu, Hon'ble Minister of State for Jal Shakti & Tribal Affairs, Govt. of India inaugurated the Heritage Railway Museum at Baripada on 17th November, 2021 in persence of Shri Prakash Soren, Hon'ble MLA. Shri P Mishra, Principal Financial Advisor, South Easyern Railway, Shri Manoranjan Pradhan, Divisional Railway Manager, Kharagour and other officers were present on the occasion. Kharagpur Division of South Eastern Railway has completed the development work of heritage Railway Museum project in Baripada with an estimated cost of approx. Rs 1.4 Crore within an area lof 6000 Sq. mts. Inside the boundary wall, construction lincludes two tracks for placing engines and coaches inside coverd shed, booking counter, toilet, water installation, garden area, shelter for visitors with seating arrangement Lighting arrangements throughout the boundary wall and inside cover shed, have also been done. The dedvelopment of heritage railway museum and its opening for general public is a matter of pride for the people of Mayurbhanj district and proof of rich railway history of the region since 1904, The coming generations will be inspired and they would learn a lot from this heritage Museum. There will be continuous improvement in this museum, with the addition of heritqage items from all over the division.

Railways Taking Steps to Normalize Passenger Services in phased manner

PIB/NDLS As part of Railways' effort to normalize passenger services and revert back in a phased manner to the pre-covid levels of service, the Railways Passenger Reservation System (PRS) will be shut down for 6:00 hours during the lean business hours of the night for next 7 days. This is to enable upgradation of system data and updating of new train numbers etc. Since huge amount of past (old train numbers) and current passenger booking data are to be updated in all Mail/Express trains, this is being planned in a series of carefully calibrated steps and implemented during nights hours in order to minimize impact on ticketing services. The activity will be performed starting from the intervening night of 14 and 15-Nov to the night of 20 and 21-Nov starting at 23:30 hrs and ending at 05:30hrs. During these 6 hours period, no PRS Services (ticket Reservation, current booking, cancellation, enquiry service etc) will be available. During the period railway personnel wioll ensure the advance charting for the train to start during the affected timings. Except fot the PRS services, all other enquiry servicesincluding 139 sevices will continue uninterrupted. Ministry of Railways has requested it's customers to support the Ministry in the effort to normalize and upgrade the passenger services.

मुंबई-पुणे के लिए चलेगी ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेन

रे.स.ब्यूरो./सुत्र. प्रयागराजः रेल प्रशासन ने ग्रीष्मकाल में दो विशेष गाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया है। इसमें एक ट्रेन लोकमान्य तिलक- समस्तीपुर और दूसरी पुणे-दानापुर के बीच चलेगी। एनसीआर के सीपीआरओ डॉ. शिवम शर्मा ने बताया कि ०१००४३/०१०४४ लोकमान्य तिलक -समस्तीपुर सुपरफास्ट १० अप्रैल से नौ जून तक चलेगी। प्रत्येक रविवार और गुरुवार को यह लोकमान्य तिलक से दिन में सवा १२ बजे रवाना होगी। सोमवार और शुक्रवार को ११.४५ बजे प्रयागराज छिवकी और रात सवा नौ बजे समस्तीपुर पहुंचेगी। वापसी में ११ अप्रैल से १० जून तक प्रत्येक सोमवार और शुक्रवार को रात साढ़े ११ बजे समस्तीपुर से रवाना होगी। प्रत्येक मंगलवार व शनिवार को सुबह ८.३५ बजे प्रयागराज छिवकी पहुंचेगी। प्रत्येक बुधवार और रविवार को सुबह ७.० बजे लोकमान्य तिलक पहुंचने का समय है। ०१३६/०१०४० पुणे- दानापुर साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेन १३ अप्रैल से आठ जून तक प्रत्येक बुधवार को पुणे से रात साढ़े नौ बजे प्रस्थान करेगी। गुरुवार को ६.४३ बजे छिवकी पहुंचेगी। शुक्रवार की भोर ४.३० बजे दानापुर पहुंचने का समय निर्धारित है।

अब टीटीई व स्टेशन मास्टर भी होंगे कर्मयोगी

रे.स.ब्यूरो./सुत्र. अब रेलवे क लिए ट्रेन टिकट निरीक्षक (टीटीई), स्टेशन मास्टर समेत छह पद पर कार्यरत कर्मचारी कर्मयोगी कहलाएंगे। वे यात्रियों की सभी समस्याओं का समाधान करेंगे और मांगी जाने वाली सूचना भी उपलबध कराएंगे। रेलवे ने इसके लिए मिशन कर्मयोगी प्रशिक्षण देना शुरू किया है। रेल प्रशासन ने अभी तक टीटीई, स्टेशन मास्टर को अग्रिम पंक्ति के कर्मचारी (फ्रटलाइन वर्कर) का दर्जा दे रखा है। क्योंकि ट्रेनों में सफर करने वाले यात्रियों का सीधा सम्पर्क टीटीई से होता है। इसलिए टीटीई से मदद की मां करते हैं। टीटीई द्वारा सुनवाई नहीं करने पर ट्रेन रुकने पर स्टेशन मास्टर या स्टेशन अधीक्षक से मदद की मांग करता है या शिकायत की जाती है। टीटीई की सूचना पर ही ट्रेन में बीमार यात्री के इलाज के लिए चिकित्सक पहुँच जाते हैं। कोच में पानी उपलब्ध कराने समेत अन्य शिकायतों का निस्तारण होता हैं रेलवे ने यात्रियों, व्यापारियों व जनता से सीधे जुड़ें होने वाले टीटीई, स्टेशन मास्टर, बुकिंग क्लर्क, रिजर्वेशन क्लर्क, पार्सल क्लर्क, गुड्स क्लर्क को कर्मयोगी की श्रेणी में रखा है।

एनसीआर ने रचा नया कीर्तिमान

रे.स.ब्यूरो./सुत्र. प्रयागराजः अपने स्थापना दिवस के १८ वर्ष पूरे करने पर उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) ने उपलब्धिों भरे वित्तीय वर्ष २०२१-२२ का डाटा जारी किया।

यात्री सेवाओं के बाद अब रेलवे ने माल लदान की दिशा में नया कीर्तिमान रचते हुए मूल माल लदान से १६२३.१८ करोड़ रुपये का राजस्व में ११ प्रतिशत की वृद्धि हुई।

एनसीआर महाप्रबंधक प्रमोद कुमार ने वित्तीय वर्ष के माल लदान का रिपोट कार्ड जारी करते हुए बताया कि आज स्थापना दिवस है और एनसीआर के इतिहास में एक नया कीर्तिमान जुड़ गया है। पिछले वर्ष (१६.६१) मिलियन टन की तुलना में मूल माल लदान में १३.६ प्रतिशत की वृद्धि (१८.८७ मिलियन टन) हुई है।

पिछले वर्ष १७३४ करोड़ के सापेक्ष इस बार १६२३.१८ राजस्व मिला। इस कार्य लिए पूरी टीम बधाई की पात्र है। अच्छा माल परिवहन देश की अर्थव्यवस्था के विकास के लिए आवश्यक है और आगे भी यह गति बनाए रखें। प्रधान मुख्य परिलन प्रबंधक बिप्लव कुमार ने व्यावसायिक विकास इकाइयों की सराहना की। मंडल ने कमाए ६६ करोड़ -मंडल ने वर्ष २०२१-२२ में मूल माल लदान में २६.३ प्रतिशत वृद्धि दर्ज कर ६.३ मिलियन टन का लदान किया और ५६६.६६ करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया। बीते वर्ष में ५,००२ मिलियन टन की लोडिंग से ४७१.२ करोड़ की कमाई हुई थी। जबकि इस वर्ष राजस्व में २७.३ प्रतिशत वृद्धि हुई हैं लदान का विवरण साझा करते हुए वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक समन्वय श्रीकृष्ण शुक्ला ने बताया श्किइस वर्ष प्रतिदिन औसतन ३४६.१ मालगाड़ियां चली हैं। मंडल रेल प्रबंधक मोहित चंद्रा ने कहा कि सभी विभागों के मध्य बेहतर समन्वय के कारण हमसॉब इस उपलब्धि को हासिल कर पाए हैं।

Central Railway Celebrates Matheran Rail Utsav

PIB/NDLS Central Railway is celebrating the Materan Rail Utsav - a 2 day Cultural Festival in association with Materan Municipal Council on 13th and 14th of Nov., 2021.

This Utsav which is the first of its kind will be a display of Matheran Light Railway's ancient history, potraying the green initiatives of Central sensitive zone. It will also project Matheran Light Railway (MLR) as a cultural landscape as also being recommended for UNESCO Greece Melina Mercouri International Prize-2021 for Safeguard and Management of Cultural Landscapes. Shri B K Dadabhoy, Additional General Manager, Central Railway was the Chief Guest at the inaugural function held at Matheran Station on 13th Nov., 2021, the first day of the 2 day festival. Shri A K Gupta, Principal Chief Mechanical Engineer, Shri Shalabh Goel, Divisional Railway Manager, Mumbai Division and other Senior Officers of Central Railway were also present. Shri Dadabhoy released balloons with the Festival Citation and also inaugurated a Stall. He also gave away awards to winners of Photography and Drawing competition. The Additional General Manager, The Principal Chief Mechanical Engineer, The Divisional Railway Manager, Mumbai Division and other Senior Officers also Planted saplings as a part of tree plantation drive organised at the event. The featured presentations and talks on various Green initiatives by Central Railway, various intiatives taken for conservation of Matheran by Matheran Municipal Council, Initatives in protecting the landscape and environment by Sanguna Farms and Waste to Energy Management by M/s Polycrack. Central Railway has taken various steps towards conservation of Environment. In the last four years Central Railway has taken up plantation of more than 18 lakh saplings of various kinds of trees on Railway land. An herbal garden with 120 saplings of rare spices and herbs has been set up at Chhatrapati Shivaji Maharaj Terminus, Mumbai. 15 nurseries have already been set up and developed on Central Railway. 87 Eco- smart stations, Automatic Coach Washing plant at Wadi Bunder, Mumbai, Rain Water Harvesting Units at 133 stations, IGBC Green certification of 5 buildings etc are some of the other initiatives & achievements towards greener environment in past few years by Centarl Railway. The Matheran Utsav is yet another positive step by Central Railway towards conserving the envirnment and protecting the ecology of Matheran. Central Railway with its shuttle services for passengers between Aman Lodge and Matheran has been instrumental in popularizing this place not only as a major tourist destination but also as a place which takes one close to comfortable travel to its passengers coming to this tourist destination, thereby providing livehood to the locals thus contributing in improving the evonomy of Matheran.

स्क्रैप निपटान हेतु कुशल प्रबंधन के साथ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

रे.स.ब्यूरो./सुत्र भारतीय रेल जैसे बहुत बड़े संगठन में मशीनों/उपकरणों के कलपुर्जे एवं अन्य कई प्रकार की सामग्री बड़ी मात्रा में जमा होती हैं जोकि अन्य जगहों पर उपयोग हेतु उपयोगी रहती। ऐसी सामग्रियों को 'स्क्रैप' घोषित किय जाता है। स्क्रैप के निपटान हेतु परंपरागत रूप बोली लगाने के लिए खरीदारों की भौतिक उपस्थिति में सार्वजनिक नीलामी के माध्यम से स्क्रैप निपटान किया जा रहा था।

वर्तमान में प्रौद्योगिकी के आगमन के साथ भारतीय रेल के साथ ही साथ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में भी सार्वजनिक नीलामी के बजाय ई-नीलामी के माध्यम से स्क्रैप की बिक्री की जाती है। इस प्रणाली में कोई भी खरीदार देश के किसी भी कोने से भाग ले सकता है। इन उपायों से स्क्रैप निपटान में काफी तेजी आई है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में रायपुर में स्थित सामान्य भंडार डिपों (जीएसडी) के साथ ही तीनों रेल मंडलों में भी रेल स्क्रैप व पी. वे मैटीरियल, वैगन, कोच, लोकोमोटिव इत्यादि भारी स्क्रैप को साइट पर ऑनलाइन नीलामी के द्वारा बेचा जाता है।

वर्तमान वित्तीय वर्ष २०२१-२२ के लिए रेलवे बोर्ड के द्वारा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे को २१० करोड़ रुपये के स्क्रैप बिक्री का लक्ष्य दिया गया है। इसी कड़ी में वर्तमान वित्तीय वर्ष के अप्रैल '२०२१ से लेकर जनवरी' २०२२ के आज की तारीख तक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा २०० करोड़ रुपए का स्क्रैप बेचा गया है, जोकि पिछले वित्तीय वर्ष २०२०-२१ के कुल १८० करोड़ स्क्रैप बिक्री से २० करोड़ अधिक है।

हिंदी वह धागा है जो विभिन्न मात भाषाओं रूपी फूलों को पिरोकर भारत माता के लिए सुंदर हार का सर्जन करेगा।
डॉ जाकिर हुसैन

हुब्बल्लि और गुंतकल के बीच डेमू ट्रेन शुरु

रे.स.ब्यूरो./सुत्र दक्षिण पश्चिम रेलवे ने गाड़ी संख्या ०७३३८ एसएसएस हुब्बल्लि- गुंतकल-एसएसएस हुब्बल्लि- दैनिक पैसेंजर स्पेशल के पारम्परिक रेक को डीजल इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (डीईएमयू) रेक से बदल दिया है।

डेमू को अलग इंजन/लोकोमोटिव की आवश्यकता नहीं है क्योंकि इंजन एक गाड़ी में शामिल है। यात्री ले जाने वाले प्रत्येक डेमू कार के पस कोच के नीचे फिट होने वाली मोटिव शक्ति का अपना स्रोत होता हैं डेमू को टर्मिनल स्टेशनों पर इंजन रिवर्सल की आवश्यकता नहीं होती है। यह शंटिग ऑपरेशन को समाप्त करके ऑपरेशन के दोनों छोर पर आवश्यक समय को कम कर देता है। वास्को डि गामा और कुलेम के बीच डेमू के बाद हुब्बल्लि मंडल में यह दूसरी और हुब्बल्लि से पहली डेमू सेवा है।

महाप्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे ने लम्बित परियोजनाओं को पूर्ण करने हेतु समीक्षा बैठक की

रे.स.ब्यूरो./सुत्र विजय शर्मा, महा प्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे ने उत्तर पश्चिम रेलवे के सभी विभागों के विभागाध्यक्षों तथा चारों मंडलों के मंडल रेल प्रबंधकों के साथ एक समीक्षा बैठक की, जिसमें सभी मंडल रेल प्रबंधक वीडियों कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े हुए थे। बैठक में महाप्रबंधक ने लम्बित परियोजनाओं को पूर्ण करने एवं खर्चो में कटौती के लिए दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि साफ- सफाई एवं रख-रखाव टेण्डरों की समीक्षा कर उनके व्यय में मितव्ययता बरती जाए और महत्वपूर्ण लम्बित परियोजनाओं को समय सीमा में पूर्ण करने तथा यात्री सुविधाओं के कार्यो को प्राथमिकता से करने पर भी बल दिया। उन्होंने नए माल यातायात को आकर्शित कर लोडिंग बढ़ाने के लिए सकारात्मक प्रयास करने के निर्देश भी दिए।

नए बुलेट ट्रेन गलियारे

रेल मंत्रालय ने निम्नलिखित तीव्र गति रेल गलियारों के लिए सर्वेक्षण करने और विस्तृत परियोजना रिर्पोट (डीपीआर) तैयार करने का निर्णय लिया हैः- दिल्ली-वाराणसी, दिल्ली-अमृतसर, दिल्ली - अहमदाबाद, मुम्बई - नागपुर, मुम्बई - हैदराबाद, चैन्नै-बंगलुरू - मैसूर, वाराणसी-हावड़ा।

यात्री सेवाओं का शुभारंभ लोकसभा अध्यक्ष ने किया

रे.स.ब्यूरो./सुत्र. लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने १३ फरवरी को कोटा-बूंदी क्षेत्र के रेल यात्रियों को एक साथ कई सौगातं प्रदान कीं। इसके अन्तर्गत लाखेरी स्टेशन पर नवनिर्मित कोच गाइडेंस डिस्प्ले बोर्ड प्रणाली का लोकार्पण और इसके अलावा लाखेरी, इन्द्रगढ़ सुमेरगंज मंडी, कापरेन एवं घाट का वराना रेलवे स्टेशनों पर विभिन्न यात्री सुविधाओं का शिलान्यास आदि शामिल हैं। इस अवसर पर विधायक, केशोराय पाटन, और कोटा-बूंदी संसदीय क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में मंडल रेल प्रबंधक, कोटा, श्री पंकज शर्मा द्वारा अध्यक्ष, लोकसभा श्री ओम बिरला का तथा मंच पर उपस्थित अन्य अतिथिगणों का स्वागत किया गया।

श्री बिरला प्रातः ०७:४० बजे दयोदय एक्सप्रेस से कोटा स्टेशन से रवाना होकर लाखेरी स्टेशन पहुंचे। उनके साथ विधायक, श्रीमती चंद्रकांता मेघवाल, मंडल रेल प्रबंधक, श्री पंकज शर्मा, वरिष्ठ रेल अधिकारीगण सहित अन्य विशिष्टजन भी साथ थे। लाखेरी पहुँच कर सबसे पहले दयोदय एक्सप्रेस के ठहराव कार्यक्रम में शामिल होकर स्थानीय निवासियों को दयोदय स्टेशन के ठहराव की सौगात प्रदान की। तत्प चात् लाखेरी स्टेशन वसे बटन दबाकर विभिन्न यात्री सुविधाओं का लोकापर्ण एवं शिलान्यास किय, जिसके अनतर्गत लाखोरी स्टेशन पर नवनिर्मित कोच गाइडेंस डिस्प्ले बोर्ड प्रणाल का लोकार्पण किया गया। कोटा मंडल के लाखेरी इन्द्रगढ़ सुमेरगंज मंडी, कापरेन एवं घाट का वराना रेलवे स्टेशनों पर विभिन्न यात्री सुविधाओं का शिलान्यास किया गया।

श्री बिरला ने कार्यक्रम के दौरान जनता को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय रेल विकास की दिशा में आगे बढ़ रही है और यात्री सुविधाओं में तीव्र गति से विस्तार किया जा रहा हैं इसी कड़ी में कोटा-बूंदी संसदीय क्षेत्र के यात्रियों को हर तरह की अत्याधुनिक यात्री सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं और अन्य यात्री सुविधाओं का सभी स्टेशनों पर और विस्तार किया जाएगा। कार्यक्रम के समापन अवसर पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक ने उपस्थित अतिथियों, आम जनता, गणमान्य नागरिकों तथा प्रेस एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रभाषा किसी व्यक्ति या प्रांत की संपत्ति नहीं है, इस पर सारे देश का अधिकार है।
सरदार वल्लभ भाई पटेल

पश्चिम रेलवे ने १००वीं टेक्साटाइल एक्सप्रेस का संचालन किया

रेल समाचार सूत्रः पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल ने चल्थान (सूरत) से संकरैल (खड़गपुर मंडल, दक्षिण पूर्व रेलवे) तक १००वीं टेक्सटाइल ट्रेन के लदान की महत्वपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है। रेल और कपड़ा राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदो I ने ०१ सितम्बर, २०२१ को उधना से ऐसी पहली ट्रेन को झंडी दिखाकर रवाना किया था। पाूच महीने की अवधि में ही यह महत्वपूर्ण उपलब्धि अर्जित करना रेलवे में सूरत कपड़ा क्षेत्र के बढ़ते हुए वि वास को द ाता है। प्रमुख गंतव्य दक्षिण पूर्व रेलवे में संकरैल, ाालीमार और पूर्व मध्य रेलवे में दानापुर और नारायणपुर थे। चल्थान और ऊधना से कुल मिलाकर क्रम ाः ६७ और ३३ एनएमजी रेक लोड किए गए। टेक्सटाइल एक्सप्रेस ने रेलवे के लिए कुल १०.२ करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया।

सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए फील्ड में निर्देशों का कार्यान्वयन अति महत्वपूर्णः सीआरएस एनई सर्कल

साभारः रेलवे संरक्षा आयुक्त (सीआरएस), उत्तर पूर्व (एनई) सर्किल लतीफ खान ने उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में आयोजित एक बैठक में उत्तर मध्य रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि संरक्षा जागरूकता त्वरित प्रक्रिया नहीं है, यह जीवन भर सीखने से संबंधित है। खान ने कहा कि संरक्षा एक ऐसी चीज है जो व्यवस्था में अंतर्निहित है। एक यात्री अपनी ट्रेन यात्रा का वर्णन करते समय कभी भी ट्रेन संचालन में संरक्षा पर चर्चा नहीं करता है। हालाँकि, इसके महत्व का आकलन तभी किया जा सकता है जब उसकी ट्रेन यात्रा के दौरान कुछ असामान्य हो।

इस कारण रेल प्रशासन की जिम्मेदारी संरक्षा के प्रति बहुत अधिक है क्योंकि जब संरक्षा की बात आती है तो रेलवे से रेल उपयोगकर्ता की अपेक्षाएं बहुत अधिक होती हैं। एक औसत यात्री के लिए, संरक्षा एक ऐसा मापदंड है जो सिस्टम में अंतर्निहित है और इससे अविभाज्य है। सीआरएस ने नवनिर्मित नैनी-छिवकी तीसरी लाइन का निरीक्षण किया और उत्तर मध्य रेलवे के अधिकारियों के साथ बैठक में शामिल होने पहुंचे। प्रारंभ में, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (सीएओ) शरद मेहता ने सीआरएस का गर्मजोशी से स्वागत किया। अपने उद्घाटन भाषण में एनसीआर के महाप्रबंधक प्रमोद कुमार ने कहा कि सीआरएस के साथ बैठक को नियमित बनाने के लिए भविष्य में इस तरह की और बैठकें आयोजित की जाएंगी।

प्रधान मुख्य सुरक्षा अधिकारी (पीसीएसओ) उत्तर मध्य रेलवे एम.के. गुप्ता ने सुरक्षित ट्रेन संचालन सुनिश्चित करने के लिए उत्तर मध्य रेलवे द्वारा की जा रही कार्रवाइयों पर चर्चा करने के लिए एक पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया।

गुप्ता ने ट्रेन संचालन में संरक्षा को समझने और संरक्षा भंग के मामलों की जांच में इशिकावा कारण-प्रभाव विश्लेषण और फिश बोन डायग्राम जैसे उपकरणों की उपयोगिता के बारे में बताया। पीसीएसओ ने उत्तर मध्य रेलवे द्वारा लिए गए सेफ्टी ड्राइव का विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने ट्रैक, पुलों और सुरंगों, समपारों, डिब्बों और कोचिंग डिपो, क्रू लॉबी और रनिंग रूम, लोको शेड आदि के संबंध में संरक्षा सुनिश्चित करने से संबंधित कार्य योजना भी प्रस्तुत की। उन्होंने रेलवे की अग्निशमन तैयारियों के बारे में भी चर्चा की।

अधिकारियों द्वारा किए गए निरीक्षणों की संख्या, पाई गई कमियां और सुधारात्मक कार्रवाई के विषय में भी सीआरएस को जानकारी दी गई। पीसीएसओ ने बताया कि SPAD (लाल सिग्नल पार करना) को खत्म करने के लिए कार्य योजना के तहत लोको पायलटों द्वारा प्रमुख यार्डों के फुट लर्निंग पर काफी जोर दिया जा रहा है।अधिकारियों के सवालों के जवाब में सीआरएस ने कहा कि फील्ड स्टाफ को प्रशिक्षण देना और उन्हें जागरूक करना प्रबंधन का काम है और अगर कर्मचारियों में जागरूकता नहीं है तो यह प्रबंधन की विफलता है।

सीआरएस ने यह भी बताया कि रेल परिचालन के लिए स्वीकृति हेतु प्रदत्त विवेकाधीन शक्तियों का उपयोग एक अपवाद स्वरुप ही किया जाना चाहिए। बैठक में एजीएम रंजन यादव, प्रमुख विभाग्याध्यक्ष, प्रयागराज के डीआरएम मोहित चंद्रा सहित उत्तर मध्य रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। यह उल्लेख करना है कि सीआरएस एक वैधानिक निकाय है जो नागर विमानन के तहत कार्य करता है और संरक्षा संबंधी मुद्दों परा रेलवे को सलाह देने वाला सर्वोच्च निकाय है।

लेखकों से

राष्ट्रीय,सामजिक, फिल्म, व्यंग्य आदि विषयों पर अप्रकाशित लेख प्रकाशन हेतु आमंत्रित है। अपने हस्तलिखित लेख कागज की एक ओर साफ अक्षरों मे भेजें।

केन्द्रीय चिकित्सालय का औचक निरीक्षण करते डॉ प्रसन्ना कुमार

रे.स.ब्यूरो./सुत्र. महानिदेशक, रेलवे स्वास्थ्य सेवाएं डा. प्रसन्ना कुमार ने पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी के मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. एम.एल.चौधरी और मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एम.एस.नांबियाल के साथ बनारस रेल इंजन कारखाना का औचक निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान बरेका के पंजीकरण काउंटर, ओपीडी, आईसीयू, महिला वार्ड, लैब, फार्मेसी और एक्स-रे यूनिट में डीलिंग मेडिकल स्टाफ से पूछताछ कर बरेका में कार्यरत अखिल भारतीय एचएमआईएस का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों से बातचीत की और मरीजों के इलाज और इलाज से मरीजों की संतुष्टि पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा बरेका में आ रही कठिनाइयों से भी रूबरू हुए। महानिदेशक ने बरेका में अखिल भारतीय एचएमआईएस की अच्छी प्रगति को देखकर काफी प्रभावित हुए, जिसका कम समय में बहुत ही कुशलता से उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने चिकित्सा टीम को विशेष रूप से सर्जरी के मामलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पूर्वोत्तर रेलवे, उत्तर रेलवे, पूर्व मध्य रेलवे और उत्तर मध्य रेलवे जैसे अन्य जोनल रेलवे के रोगियों को सेवा देने के लिए बधाई दी। निरीक्षण के दौरान प्रमुख मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. देवेश कुमार, अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सुनील कुमार, अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक चिकित्सालय के चिकित्सक अधिकारी एवं चिकित्सा कर्मी

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
दि. इलाहाबाद ब्लाक वर्क्स प्रा. लि. 329/255, चक, जीरो रोड, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर,कीडगंज इलाहाबाद-211003 से प्रकाशित। आर.एन. आई नं.51097-90 पोस्ट ए.डी-8
मो. 9793956044,9935224867
फोन नं.-0532-2418040

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

1 गाड़ी सं. 09117/09118 सूरत–सूबेदारगंज सुपरफास्ट विशेष रेलगाड़ी

सूरत से : गाड़ी सं. 09117 (प्रत्येक शुक्रवार) दिनांक 15.04.2022 से 17.06.2022
सूबेदारगंज से : गाड़ी सं. 09118 (प्रत्येक शनिवार) दिनांक 16.04.2022 से 18.06.2022

गाड़ी सं. 09117			गाड़ी सं. 09118	
सूरत–सूबेदारगंज			सूबेदारगंज–सूरत	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
-----	**06:00**	**सूरत**	**20:00**	-----
01:05	01:10	ग्वालियर	04:05	04:10
01:30	01:32	मालनपुर	02:35	02:37
02:00	02:02	सोनी	02:05	02:07
02:30	02:32	भिण्ड	01:40	01:42
03:38	03:40	इटावा	01:00	01:02
05:25	05:30	गोविन्दपुरी	22:35	22:40
06:28	06:30	फतेहपुर	21:08	21:10
08:40	-----	**सूबेदारगंज**	------	**19:55**

गाड़ी संरचना– एसएलआर/डी–01, एसएलआर–01, स्लीपर–08, एसी तृतीय श्रेणी–10

2 गाड़ी सं. 01031/01032 छत्रपति शिवाजी महाराज ट.–मालदा टाउन –छत्रपति शिवाजी महाराज ट. ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक)

छत्रपति शिवाजी महाराज ट. से : गाड़ी सं. 01031 (प्रत्येक सोमवार) दिनांक 11.04.2022 से 06.06.2022
मालदा टाउन से : गाड़ी सं. 01032 (प्रत्येक बुधवार) दिनांक 13.04.2022 से 08.06.2022

गाड़ी सं. 01031			गाड़ी सं. 01032	
छत्रपति शिवाजी महाराज ट.–मालदा टाउन			मालदा टाउन–छत्रपति शिवाजी महाराज ट.	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
-----	**11:05**	**छत्रपति शिवाजी महाराज ट.**	**03:50**	------
06:18	06:20	मानिकपुर जं.	04:03	04:05
07:53	07:55	प्रयागराज छिवकी	02:05	02:10
08:50	08:52	मिर्जापुर	00:55	00:57
00:45	-----	**मालदा टाउन**	------	**12:20**

गाड़ी संरचना– एसएलआर/डी–01, एसएलआर–0, स्लीपर श्रेणी–10 सामान्य श्रेणी–04 , वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी–01, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी–05

3 गाड़ी सं. 09191/09192 बांद्रा ट.–कानपुर अनवरगंज– बांद्रा ट. सुपरफास्ट विशेष रेलगाड़ी

बांद्रा ट. से : गाड़ी सं. 09191 (प्रत्येक गुरुवार) दिनांक 14.04.2022 से 16.06.2022
कानपुर अनवरगंज से : गाड़ी सं. 09192 (प्रत्येक शुक्रवार) दिनांक 15.04.2022 से 17.06.2022

गाड़ी सं. 09191			गाड़ी सं. 09192	
बांद्रा ट.–कानपुर अनवरगंज			कानपुर अनवरगंज–बांद्रा ट.	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
-----	**04:55**	**बांद्रा ट.**	**11:55**	-----
23:08	23:10	भरतपुर जं.	17:00	17:02
23:40	00:05	अछनेरा जं.	16:05	16:30
00:55	01:00	मथुरा जं.	15:10	**15:15**
07:00	-----	**कानपुर अनवरगंज**	------	**08:40**

गाड़ी संरचना– एसएलआर/डी–01, एसएलआर–01, सामान्य श्रेणी–20

नोट- उपरोक्त ट्रेनों के अन्य स्टेशनों पर ठहराव एवं समय–सारणी से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या **Rail madad Mobile App** या वेबसाइट **railmadad.indianrailways.gov.in** का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे North Central Railways @CPRONCR 419/2022 V